WWW.Kanchanujala.in
हिन्दी दैनिक
kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित | सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 262 | लखनऊ, शुक्रवार, 11 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

सुहाना खान की सेल्फी ने बटोरी सुर्खियां

भारत की ओर आंख उठाने वालों को कड़ा संदेश है रफाल: राजनाथ सिंह

अंबाला, एजेंसी। चीन के साथ लंबे समय से सीमा पर चल रही तनातनी के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज कहा कि रफाल लड़ाकू विमान से वायु सेना की ताकत और क्षमता कई गुना बढ गयी है और यह भारत की ओर आंख उठाने वालों के लिए बड़ा और कड़ा संदेश है। फ्रांस से खरीदे गये 36 रफाल लड़ाकू विमानों की पहली खेप के पांच विमान यहां वायु सेना स्टेशन पर एक समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फ्रांसीसी रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ले की मौजूदगी में वायु सेना के गोल्डन एरो स्क्वाड्रन में विधिवत रूप से शामिल किये गये। ये पांचों विमान गत 27 जुलाई को भारत लाये गये थे। रफाल को शामिल किये जाने से पहले वायु सेना स्टेशन पर सर्व धर्म पूजा की गयी जिसमें सभी धर्मों के प्रतिनिधियों ने अपनी ओर से पूजा अर्चना की। इस मौके पर राफाल विमानों ने भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस के साथ साथ सुखाई विमानों के साथ तालमेल बैठाते हुए शक्ति तथा तालमेल और जौहर का प्रदर्शन किया। श्री सिंह ने बाद में वायु सैनिकों तथा अधिकारियों को संबोधित करते हुए रफाल विमानों की ताकत का उल्लेख करते हुए चीन और पाकिस्तान को परोक्ष रूप से कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज इनका शामिल होना, पूरी दुनिया, ख़ासकर हमारी संप्रभुता की ओर उठी निगाहों के लिए एक बड़ा और कड़ा संदेश है। हमारी सीमाओं पर जिस तरह का माहौल हाल के दिनों में बना है, या मैं सीधा कहूँ कि बनाया गया है, उनके लिहाज़ से इन विमानों का शामिल होना बहुत अहम है। फ्रांसीसी रक्षा मंत्री ने इस मौके पर कहा कि आज का दिन हमारे देशों के लिए एक उपलब्धि है। हम मिलकर भारत- फ्रांस रक्षा संबंधों का एक नया अध्याय लिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि रफाल एक शक्तिशाली विमान है जो वायु सेना को नयी ताकत देगा। फ्रांसीसी रक्षा मंत्री ने कहा कि उनका देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन करता है। इस मौके पर रक्षा सचिव डा अजय कुमार, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।

गांव के सशक्त होने से मजबूत होगा देश: प्रधानमंत्री मोदी

पटना, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना को ग्रामीण क्षेत्र को समृद्ध बनाने की योजना बताया और कहा कि गांव के सशक्त होने से ही देश मजबूत होगा। श्री मोदी ने गुरुवार को ऑनलाइन माध्यम से बिहार समेत 21 राज्यों में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का शुभारंभ करने के बाद भोजपुरी भाषा में अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा, ÷रउआ सभे के प्रणाम बा..देशवा खातिर..बिहार खातिर..गांव के जिंदगी आसान बनावे खातिर आउर व्यवस्था ठीक करे खातिर डेयरी आउर कृषि से जुड़ले सैकड़ों करोड़ के योजना के लोकार्पण भइल बा। एकरा खातिर सौंसे बिहार के लोगन के बधाई दे तानी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जितनी भी योजनाओं की शुरुआत हुई है, उनका लक्ष्य गांवों को इतना मजबूत बनाना है ताकि वे 21वीं सदी के भारत की ऊर्जा और ताकत बन सकें। उन्होंने कहा कि ब्लू रिवॉल्यूशन यानि मछली पालन, व्हाइट रिवॉल्यूशन यानी डेयरी से जुड़े काम और स्वीट रिवॉल्यूशन यानी शहद से जुड़े कार्यों से गांव को समृद्ध बनाने की योजना है। उन्होंने कहा कि गांव सशक्त बनेगा तो देश मजबूत होगा।

अपने चंद 'मित्रों' की ही बात सुनते है मोदी: राहुल गांधी

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर युवाओं की समस्याओं पर ध्यान नहीं देने का आरोप लगाते हुए गुरुवार को कहा कि श्री मोदी बेरोजगारी का दंश झेल रहे नौजवानों के भविष्य की अनेदेखी कर सिर्फ अपने चंद 'मित्रों' की बात सुनते हैं। श्री गांधी ने पार्टी की 'स्पीकअप' मुहिम के तहत यहां जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि बेरोजगारी से पीड़ित देश का युवा आज श्री मोदी से अपने हक़ का रोज़गार और उज्ज्वल भविष्य मांग रहा है लेकिन प्रधानमंत्री चुप हैं और युवाओं की समस्याओं को अनदेखा किया जा रहा है।

देश के युवाओं को संबोधित करते हुए श्री गांधी ने कहा ÷देश की हालत आपसे बेहतर कौन जानता है। आप हिंदुस्तान का भविष्य हो और आपको भविष्य आज दिख रहा है। कोरोना आने से पहले मैंने कहा था कि तूफान आने वाला है। फरवरी में कहा था, तैयारी कीजिए। सरकार ने मेरा मजाक उड़ाया। जब तूफान आया, मैंने फिर सुझाव दिया- युवाओं के भविष्य के लिए आपको तीन काम करने होंगे। उन्होंने सरकार को तीन सुझाव देते हुए कहा कि पहले हर गरीब व्यक्ति के बैंक खाते में 'न्याय' योजना जैसे सीधा पैसा जमा कराया जाना चाहिए। दूसरा लघु एवं मध्यम दर्जे के संस्थानों की मदद की जानी चाहिए। उनका कहा कि ये ही देश की रीढ़ की हड्डी हैं और युवाओं का भविष्य है इसलिए इन संस्थानों की रक्षा के लिए उनकी पूरी मदद की आवश्यकता है।

बंगाल में मारे गए सौ कार्यकर्ता, चुनाव में टीएमसी को हराएंगेः नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे।पी। नड्डा ने पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की सरकार को उखाड़ फेंकने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि पश्चिम बंगाल में कमल खिलकर रहेगा। टीएमसी को बीजेपी हराएगी। जनता कमल को आशीर्वाद देने के लिए तैयार है। पश्चिम बंगाल की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलेगी। पश्चिम बंगाल प्रदेश कार्यसमिति की गुरुवार की बैठक को संबोधित करते हुए नड्डा ने सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस सरकार पर हिंसा करने का आरोप लगाया। नड्डा ने कहा, पश्चिम बंगाल में 100 से ज्यादा भाजपा कार्यकर्ता मारे गए हैं। हमने उनका तर्पण किया है। ये जंगल राज नहीं तो क्या है? लेकिन दिल्ली में बैठे डेमोक्रेसी के चौंपियंस की इस पर आवाज तक नहीं निकलती। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पश्चिम बंगाल में पार्टी के बढ़ते जनाधार को आंकड़ों के जरिए बताया।

देश में कोरोना के कुल सक्रिय मामले 9,19,018, 74 प्रतिशत मामले नौ राज्यों से

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना के कुल सक्रिय मामले 9,19,018 है और कुल सक्रिय मामलों में 74 फीसदी से अधिक मामले नौ सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरूवार को जारी एक बयान में कहा कि देश में कोरोना के कुल सक्रिय मामले 9,19,018 है और कुल सक्रिय मामलों में 74 फीसदी से अधिक मामले नौ सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से आए हैं। महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश का फिलहाल कुल सक्रिय मामलों में 49 फीसदी का योगदान है। महाराष्ट्र इस सूची में 2,50,000 से अधिक मामलों के साथ शीर्ष पर है जबकि उसके बाद कर्नाटक और आंध्र प्रदेश प्रत्येक में 97,000 से अधिक सक्रिय मामले हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना के कुल 95,735 नए मामले सामने आए हैं और कुल मामलों में से 60 फीसदी योगदान केवल पांच राज्यों का है। महाराष्ट्र से 23,000 से अधिक मामले सामने आए हैं जबकि आंध्र प्रदेश ने इनमें दस हजार से अधिक मामलों का योगदान दिया है। इस अवधि में कुल 1,172 मौतें दर्ज की गई हैं। बुधवार को महाराष्ट्र में 380 , कर्नाटक में 128 तथा तमिलनाडु में 78 मौतें दर्ज की गईं। कुल मौतों में से पांच राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों- महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, दिल्ली और आंध्र प्रदेश में 69 फीसदी मौतें हुई हैं। देश में वैश्विक महामारी कोविड-की रोकथाम के लिए अधिक जांच पर लगातार जोर दिया जा रहा है और गुरुवार को जारी आंकड़ों में पिछले दो दिन में रोज 11 -11 लाख से अधिक कोरोना वायरस नमूनों की जांच की गई है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की तरफ से जारी आंकड़ों में बताया गया कि नौ सितंबर को 11 लाख 29 हजार 756 नमूनों का परीक्षण किया गया। इसे मिला कर कुल जांच का आंकड़ा पांच करोड़ 29 लाख 34 हजार 433 पर पहुंच गया है। पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 95,735 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 44,65,864 हो गया। इस अवधि में 1,172 संक्रमितों की मौत होने से मृतकों की संख्या 75,062 हो गयी। इस दौरान 72,939 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिससे कोरोना से मुक्ति पाने वालों की संख्या 34,71,784 हो गयी है। देश में रोगमुक्त होने वालों की दर 77.74 प्रतिशत है जबकि मृत्यु दर 1.68 प्रतिशत है।

ममता सरकार ने 12 सितंबर के संपूर्ण लॉकडाउन के निर्णय को लिया वापस

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में ममता सरकार की ओर से शनिवार यानी 12 सितंबर को घोषित किया गया संपूर्ण लॉकडाउन वापस ले लिया गया है। मुख्यमंत्री ममता ने इसकी घोषणा की। राज्य सरकार ने इस महीने 7, 11 एवं 12 सितंबर, 2020 को संपूर्ण लॉकडाउन की घोषणा की गयी थी। हालांकि, ममता सरकार ने 13 सितंबर, 2020 को नीट परीक्षा को देखते हुए 12 सितंबर, 2020 का संपूर्ण लॉकडाउन को वापस लिया है। 7 सितंबर, 2020 के लॉकडाउन के बाद शुक्रवार और शनिवार यानी 11 एवं 12 सितंबर, 2020 को लगातार 2 दिन लॉकडाउन किया जाना था। हालांकि, 13 सितंबर यानी रविवार को नीट की परीक्षा होने की वजह से कई हलको से 12 सितंबर के लॉकडाउन को वापस लिए जाने की मांग की जा रही थी। विद्यार्थियों के हित में राज्य सरकार ने बंद के शेड्यूल में परिवर्तन किया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस संबंध में ट्वीट करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने शुरुआत में 11 एवं 12 सितंबर, 2020 को लॉकडाउन की घोषणा की थी। हालांकि, नीट 2020 की परीक्षा जो 13 सितंबर को होने वाली है, उसके मद्देनजर हमें विद्यार्थी समुदाय की ओर से कई अनुरोध आये कि 12 सितंबर के लॉकडाउन को वापस ले लिया जाये, ताकि परीक्षा केंद्रों में विद्यार्थियों को जाने में कोई तकलीफन हो। उनके हितों को ध्यान में रखते हुए 12 सितंबर के लॉकडाउन को रद्द किया जाता है, ताकि विद्यार्थी 13 सितंबर को परीक्षा देने बगैर किसी चिंता के जा सके। उन सभी विद्यार्थियों के लिए शुभकामनाएं। उल्लेखनीय है कि माकपा के विद्यार्थी संगठन एसएफआइ की ओर से भी 12 सितंबर, 2020 के लॉकडाउन को वापस लिए जाने की मांग की गयी थी। इसके अलावा दूर-दराज इलाकों में रहने वाले विद्यार्थियों ने समय पर परीक्षा केंद्रों में पहुंचने के संबंध में चिंता जतायी थी। उनके लिए एकमात्र उपाय एक दिन पहले केंद्र के करीब ठहरना था, लेकिन लॉकडाउन की वजह से एक दिन पूर्व उनका परीक्षा केंद्र के करीब पहुंचना बेहद मुश्किल हो गया था।

लाल सेना को भारतीय सेना की चेतावनी, अब बोली से नहीं गोली से होगी बात

जम्मू, एजेंसी। लद्दाख में चीन सीमा पर तनावपूर्ण हालात किसी भी समय एलओसी की तरह हो सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो यह बहुत ही भयानक परिस्थिति होगी और भारतीय सेना के लिए यह दूसरा सियाचिन का युद्ध का मैदान बन जाएगा। ऐसी आशंका के पीछे के कई कारण हैं। चीनी सेना द्वारा की जाने वाली उकसावे वाली कार्रवाई में पहाड़ियों पर कब्जे की कवायद सबसे प्रमुख है। अभी तक दोनों ही पक्षों ने 1962 के युद्ध के उपरांत कब्जे वाली कवायद कभी नहीं की थी। और अब पहाड़ी चोटियों पर कब्जा कर चूहे-बिल्ली का खेल आरंभ करने वाली चीनी सेना प्रतिदिन लद्दाख के उन इलाकों में टैंकों, तोपखानों के साथ शक्ति प्रदर्शन करने में जुटी है जहां उसने कब्जा कर रखा है और भारतीय पक्ष के अनुसार, इन पर अब विवाद है। जानकारी के लिए पाकिस्तान के सटी 814 किमी लंबी एलओसी अर्थात लाइन आफकंट्रोल पर देश के बंटवारे के बाद हुए पहले युद्ध के बाद से ही जीवित जंग के मैदान बने हुए हैं।

भ्रष्टाचार पर एक्शन में मुख्यमंत्री योगी

विजिलेंस जांच से लेकर एसआईटी तक

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार तीसरे दिन गुरुवार को भी भ्रष्टाचार पर चौतरफा वार जारी रखा। उन्होंने निलंबित किए गए प्रयागराज के एसएसपी अभिषेक दीक्षित और महोबा के एसपी मणिलाल पाटीदार की संपत्ति की विजिलेंस जांच के आदेश दे दिए। दोनों पर जिलों में थानेदारों की तैनाती में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार कर धन उगाही के आरोप लगे थे। साथ ही मुख्यमंत्री ने जिला पंचायत राज अधिकारियों द्वारा सुलतानपुर व गाजीपुर समेत कई जिलों में ऑक्सीमीटर और इंफ्रारेड थर्मामीटर की खरीद में भ्रष्टाचार की जांच के लिए एसआईटी गठित कर दी। एसआईटी को दस दिन में दोषियों के बारे में रिपोर्ट देने को कहा गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिलों में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई शुरू हुई और शाहजहांपुर में डिप्टी आरटीओ के कार्यालय में छापा मारकर चार लाख रुपये नकद बरामद किए गए, साथ ही 15 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया। वहीं महोबा में नए तैनात किए गए एसपी ने दो थानेदारों समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया। प्रदेश सरकार ने तय किया है कि कानून-व्यवस्था और विकास कार्यों पर अब बैठक अलग-अलग होगी। कानून-व्यवस्था की बैठक डीएम की अध्यक्षता में अब पुलिस लाइन्स में हुआ करेगी। लखनऊ व गौतमबुद्ध नगर में कानून-व्यवस्था की बैठक पुलिस कमिश्नर की अध्यक्षता में होगी। मंडल स्तर पर कमिश्नर कानून-व्यवस्था की बैठक करेंगे। विकास के कामों की विभागवार समीक्षा डीएम 10 तारीख तक व कमिश्नर 15 तारीख तक कर लेंगे। मुख्यमंत्री के निर्देश पर कानून-व्यवस्था व विकास कार्यों की समीक्षा की प्रक्रिया में यह महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है। सरकार का फोकस इन कामों में तेजी लाने पर है। इसी कारण कानून-व्यवस्था पर बैठक अलग से कराने का निर्णय लिया गया है। इन बैठकों में प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों की गहन समीक्षा होगी। मसलन कानून-व्यवस्था की बैठक में प्रमुख अपराधों पर कार्यवाही, पाक्सो एक्ट, गुंडा एक्ट , गिरोहबंद एक्ट , रासुका व व गोवध पशुक्ररता निवारण अधिनियम के तहत कार्यवाही की समीक्षा खास तौर पर होगी। महिला उत्पीड़न व 25 हजार से ज्यादा के ईनामी अपराधियों पर कार्यवाही की प्रगति देखी जाएगी।

भारत-जापान की सेनाओं के बीच आपूर्ति तथा सेवाओं के आदान प्रदान का समझौता

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत और जापान ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग को एक कदम और आगे बढाते हुए दोनों देशों की सेनाओं के बीच साजो-सामान की आपूर्ति तथा सेवाओं के आदान-प्रदान के लिए समझौता किया है। यह अनुबंध भारत के सशस्त्र बलों तथा जापान के आत्मरक्षा बलों के बीच आपूर्ति और सेवाओं के पारस्परिक प्रावधान के संबंध में किया गया है। इससे संबंधित अनुबंध पर रक्षा सचिव डॉ. अजय कुमार और जापान के राजदूत सुजुकी सातोशी ने बुधवार को हस्ताक्षर किए। यह समझौता होने के बाद भारत और जापान के सशस्त्र बलों के बीच द्विपक्षीय प्रशिक्षण गतिविधियों, संयुक्त राष्ट्र शान्ति स्थापना अभियानों , अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानवीय और राहत अभियानों तथा पारस्परिक रूप से सहमत अन्य गतिविधियों के दौरान आपूर्ति और सेवाओं के आदान प्रदान के लिए सक्षम ढांचा स्थापित हो सकेगा। इस समझौते से भारत और जापान की सेनाओं के बीच परस्पर सहयोग बढेगा और द्विपक्षीय रक्षा गतिविधियों में और बढोतरी होगी।

रिया को 24 घंटे और रहने होंगे जेल में

मुंबई, एजेंसी। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले की जांच के दौरान ड्रग्स ऐंगल सामने आने के बाद मंगलवार को रिया चक्रवर्ती को गिरफ्तार कर लिया गया था। मंगलवार रात निचली अदालत ने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा था। रिया चक्रवर्ती जमानत याचिका पर मुंबई की सेशन कोर्ट में अब कल फैसला आएगा। बता दें कि आज मुंबई की सेशन कोर्ट में शोबिक चक्रवर्ती, रिया चक्रवर्ती, अब्दुल बासित, जैद विलात्रा, दिपेश सावंत और सैमुअल मिरांडा की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। बता दें कि बुधवार को सत्र अदालत में दायर याचिका में रिया ने यह दावा भी किया कि उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है और उन्हें इस मामले में फंसाया जा रहा है। अपनी जमानत याचिका में रिया चक्रवर्ती ने आरोप लगाया है कि एनसीबी द्वारा पूछताछ के दौरान उन्हें बयान देने को मजबूर किया गया। सत्र अदालत (सेशन कोर्ट) में दायर याचिका में रिया ने यह दावा भी किया कि उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है और उन्हें इस मामले में फंसाया जा रहा है।गौरतलब है कि एनसीबी ने तीन दिनों की पूछताछ के बाद मंगलवार को रिया को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के कुछ समय बाद उन्हें एक स्थानीय अदालत ने 22 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। रिया को बुधवार को एनसीबी के दक्षिण मुंबई स्थित कार्यालय से भायखला जेल ले जाया गया। बई की भायखला जेल जब रिया चक्रवर्ती आई तो उन्हें सामान्य बैरक में नहीं, बल्कि अलग सेल में जगह दी गई है। उनके भाई शौविक चक्रवर्ती को एनसीबी पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। रिया समेत एनसीबी इस मामले में अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

बुलंदशहर में 25 हजार का इनामी मुठभेड़ में गिरफ्तार

बुलंदशहर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बुलन्दशहर में पुलिस के साथ मुठभेड़ में 14 महीने से फरार चल रहा 25 हजार रुपए का इनामी बदमाश विकास गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह ने आज यहां कहा कि खुर्जा देहात थाने की पुलिस बुधबार की रात हाईवे पर जांच में जुटी थी। सूचना मिली कि एक इनामी और फरार चल रहा शातिर बदमाश बाइक के साथ टायर पंचर लगाने वाले की दुकान पर खड़ा है। पुलिस ने उसे घेर लिया जिसपर उसने फायरिंग शुरू कर दी जवाबी कार्रवाई में बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। उन्होंने कहा कि घायल की शिनाख्त विकास के रूप में हुई जो हाथरस का रहने वाला है । उसके पास से एक देसी पिस्तौल, कारतूस और बाइक बरामद हुई है।

बंबई उच्च न्यायालय ने पूछा

टीवी न्यूज चैनलों पर सरकार का नियमन क्यों नहीं होना चाहिए

मुंबई, एजेंसी। बंबई उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसे यह जानकर हैरानी हुई है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है और यह भी पूछा कि सरकार द्वारा टीवी न्यूज चौनलों का नियमन क्यों नहीं होना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जी एस कुलकर्णी की पीठ ने कुछ याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। इन याचिकाओं में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले से जुड़ी विभिन्न राहत के साथ ही मामले के कवरेज में प्रेस को संयम बरतने के लिए निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है। पीठ ने मामले में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को भी एक पक्ष बनाया है। पीठ ने मंत्रालय को जवाब दाखिल कर यह बताने को कहा है कि खबर प्रसारित करने के मामले में किस हद तक सरकार का नियंत्रण होता है, खास कर ऐसी खबरों के बारे में जिसका व्यापक असर होता है। पीठ ने मामले में जांच कर रही केंद्रीय एजेंसियों-नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को भी पक्ष बनाया है। यह कदम तब उठाया गया जब एक याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि एजेंसियां जांच संबंधी सूचनाएं प्रेस और जनता को लीक कर रही हैं। हालांकि, पीठ ने मामले में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को प्रतिवादी बनाने से इनकार कर दिया।

शाह ने गोविंद बल्लभ पंत को जयंती पर किया नमन

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को भारत रत्न गोविंद बल्लभ पंत को उनकी जयंती पर नमन करते हुए कहा कि हिंदी भाषा के लिए उनका योगदान वंदनीय है। श्री पंत की आज 133वीं जयंती है। श्री शाह ने श्री पंत को जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा,ष् भारत रत्न श्री गोविंद बल्लभ पंत जी एक प्रखर चिन्तक व दूरदर्शी राजनेता थे जिन्होंने एक स्वतंत्रता सेनानी के रूप में अंग्रेजों से लोहा लिया और एक आदर्श राजनेता के तौर पर समाज कल्याण की दिशा में काम किया। हिंदी भाषा के लिए उनका योगदान वंदनीय है। उनकी जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। आधुनिक भारत के निर्माताओं में एक श्री पंत ने चार मार्च 1925 को जनभाषा के रूप में हिन्दी को शिक्षा और कामकाज का माध्यम बनाने की जोरदार मांग उठाई थी। उनके प्रयासों से ही हिन्दी को राजकीय भाषा का दर्जा प्राप्त हुआ था।देश में 14 सितंबर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है।

प्रदेश में अब तक 70,67,208 सैम्पल की जांच

अब तक 2,21,506 मरीज पूरी तरह से उपचारित

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने आज यहां लोक भवन में प्रेस प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री ने कोविड-19 के संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए सर्विलांस तथा कॉन्टैक्ट टेऊसिंग को आवश्यक बताया है। कॉन्टैक्ट टेऊसिंग को तेज किए जाने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि कोविड पॉजिटिव व्यक्ति के उपचार के साथ-साथ उसके कॉन्टैक्ट्स की टेऊसिंग पर भी प्रभावी ढंग से फोकस किया जाए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिये है कि संक्रमित होने वाले व्यक्तियों के सम्पर्क पर आने वाले कम से कम 12 लोगों का कांट्रैक्ट ट्रेसिंग किया जाए। उन्होंने बताया कि कई जनपदों में कॉन्टैक्ट टेऊसिंग कम हो रही है इस कार्य मे तेजी लाई जाए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए है कि टेस्टिंग लैब्स पूरी क्षमता के अनुसार कार्य करें। बुधवार को प्रदेश में की गई कोविड-19 की 01 लाख 49 हजार से अधिक टेस्टिंग का संज्ञान लेते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि अधिक से अधिक संख्या में आर0टी0पी0सी0आर0 तथा रैपिड एन्टीजन टेस्ट किए जाएं। प्रत्येक जनपद में आर0टी0पी0सी0आर0 जांच क्षमता के अनुसार की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोविड-19 की जांच में सभी मानकों का पालन हो। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिये है कि संक्रमित व्यक्ति की निगेटिव रिपोर्ट आने के बाद भी आर0टी0पी0सी0आर0 टेस्ट जरूर करायें। श्री अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने जनपद प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर नगर तथा गोरखपुर

पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि कार्य योजना बनाकर इन जिलों की चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए। जनपद प्रयागराज में बेड्स की संख्या बढ़ाई जाए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये है कि प्रयागराज में कुम्भ के समय निर्मित इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेण्टर का उपयोग कोविड-19 के नियंत्रण में किया जाए। वर्तमान में इसे कोविड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेण्टर के तौर पर संचालित किया जाए। श्री अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने सभी कोविड चिकित्सालयों को पूरी क्षमता के अनुरूप संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए आवश्यकतानुसार मैन पावर में वृद्धि की जाए। एल-2 कोविड अस्पतालों में विशेषज्ञों की तैनाती की जाए। कोरोना से सतर्कता एवं बचाव पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में निरन्तर जागरूकता बढ़ाई जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोविड-19 के गम्भीर रोगियों को अस्पतालों में भर्ती किए जाने के सम्बन्ध में कोई दिक्कत न हो।

उन्होंने उपचार व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश देते हुए कहा कि मृत्यु दर में और कमी लायी जाए। श्री अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने सचिवालय के प्रवेश पास निर्गत करने की व्यवस्था को सख्त बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सचिवालय में अवांछित तत्वों का प्रवेश न होने पाए। इन निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने कहा कि उर्वरक की उपलब्धता तथा आपूर्ति के सम्बन्ध में कोई शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने किसानों को सुगमतापूर्वक उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए जिलाधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश देते हुए कहा कि इस सम्बन्ध में लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाए। उन्होंने अवैध कब्जों को दूर करने के लिए अभियान चलाकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि एण्टी भूमाफिया पोर्टल पर अवैध कब्जे की दर्ज शिकायत पर अभियान चलाकर उसे कब्जा मुक्त किया जाए। प्रत्येक क्षेत्र में अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बेरोजगारों तथा श्रमिकों,कामगारों को रोजगार में नियोजित किया जाए। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्योग बन्धु की बैठक को शीघ्र आयोजित करने के निर्देश भी दिए। श्री अवस्थी ने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा धारा-188 के तहत 2,21,310 एफआईआर दर्ज करते हुये 4,20,739 लोगों को नामजद किया गया है। प्रदेश में अब तक 1,49,04,546 वाहनों की सघन चेकिंग में 71,251 वाहन सीज किये गये। चेकिंग अभियान के दौरान 77,11,19,164 रूपए का शमन शुल्क वसूल किया गया। आवश्यक सेवाओं हेतु कुल 4,35,837 वाहनों के परमिट जारी किये गये हैं। कालाबाजारी एवं जमाखोरी करने वाले 1228 लोगों के खिलाफ 911 एफआईआर दर्ज करते हुए 439 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

योगी ने दिल्ली, हरियाणा राजस्थान बस सेवा चलाने की दी मंजूरी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार यात्रियों के लिए अन्तर्राज्यीय बस सेवा संचालन की मंजूरी दे दी है। अब हरियाणा , दिल्ली, राजस्थान जानें वाले रोडबेज बसों से भी सफर कर सकेगें। बता दें कि कोरोना महामारी के कारण रेल बस सेवा को बंद कर दिया गया था। फिलहाल यूपी से आम लोग अब बस से दिल्ली, राजस्थान और हरियाणा की यात्रा कर सकते हैं। परिवहन विभाग ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है। बता दें कि पहले हरियाणा सरकार ने पड़ोसी राज्यों से अनुरोध किया था कि वे अन्तर्राज्यीय बस सेवा जल्द शुरू करने की इजाजत दें। मुख्यमंत्री कार्यालय से किये गये ट्वीट के मुताबिक योगी आदित्यनाथ ने आम लोगों को सुगम परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिये उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम को यह अनुमति दी है। दिल्ली परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक राज शेखर ने कहा कि अंतरराज्यीय बस सेवा शुरू करने के लिये समय-सारिणी तैयार की जा रही है।

स्नेहधरा वृद्धाश्रम की चौथी वर्षगांठ मनी

लखनऊ, संवाददाता। स्नेहधरा वृद्धाश्रम के चार साल सफलतापूर्वक पूरे होने के उपलक्ष्य में जरूरतमंदों को निरूशुल्क भोजन और कपड़ों का वितरण इंजीनियरिंग चौराहे पर गुरुवार को किया गया। सृजन संस्थान की ओर से संचालित स्नेहधरा वृद्धाश्रम की ओर से कोई न सोये भूखे पेट मुहिम के अंतर्गत सृजन सेवा रथ-अम्मा बब्बा की रसोई के माध्यम से निराश्रित लोगों के लिए महज दस रुपए में भरपेट भोजन की सुविधा भी शुरू की गई है। इसी के माध्यम से स्नेहधरा वृद्धाश्रम की चौथी वर्षगांठ पर इंजीनियरिंग चौराहे पर स्नेहधरा वृद्धाश्रम के निदेशक अरुण प्रताप सिंह की अगुआई में निःशुल्क भोजन और वस्त्र वितरण का सेवा कार्य संचालन किया गया। सात्विक भोजन के अंतर्गत छोले-चावल, सलाद और हलवा का वितरण किया गया। संस्था की सहनिदेशक डॉ.अर्चना सक्सेना ने कोरोना संक्रमण से बचाव के प्रति राहगीरों को सावधान करते हुए अनिवार्य रूप से मास्क लगाने का संदेश दिया।

मण्डलायुक्त ने पीजीआई में इमरजेन्सी मेडिसिन के भवन का निरीक्षण किया

लखनऊ, संवाददाता। मण्डलायुक्त मुकेश कुमार मेश्राम व मुख्य विकास अधिकारी मनीष बंसल ने आज निर्माणाधीन राजकीय अतिथि गृह बटलर पैलेस व एस0जी0पी0जी0आई0 एम0एस0 परिसर में इमरजेन्सी मेडिसिन के भवन का स्थलीय निरीक्षण किया। राजकीय अतिथि गृह बटलर पैलेस डालीबाग के निरीक्षण में राजकीय निर्माण निगम के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि अतिथि गृह में 14 सूट एवं 59 सिंगल रूम है। परियोजना को 57.49 करोड़ की लागत से तैयार कराया जा रहा है अभी तक परियोजना पर 51.56 करोड़ व्यय किया जा चुका है भवन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा बाहय स्थल विकास कार्य हेतु 2.93 करोड़ धन अवमुक्त होने की प्रतिक्षा की जा रही है। मण्डलायुक्त द्वारा भूतल एवं प्रथम तल का गहन निरीक्षण किया गया तथा भवन की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया गया। प्रथम तल पर 02 सूट एवं 02 सिंगल रूम में सैम्पल के रूप में मेसर्स डुरियन कम्पनी का फर्नीचर स्थापित किया गया था जिसका निरीक्षण किया गया। कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को अवगत कराया गया कि बाहय स्थल विकास कार्य की ई0एफ0सी0 की बैठक सम्पन्न हो चुकी है जिसका शासनादेश होने एवं धन अवमुक्त होने की तिथि से दो माह में कार्य सम्पादित कर भवन राज्य सम्पत्ति विभाग को हस्तान्तरित कर दिया जायेगा। मण्डलायुक्त ने कार्य पूर्ण हो जाने के पश्चात चीफ फायर सर्विस से निरीक्षण कराने तथा भवन के फ्रन्ट में तथा भवन के पीछे झील के किनारे लैण्ड स्केपिग कराकर उसको अधिक आर्कषक बनाये जाने के निर्देश दिये।

भाजपा सरकार की खराब आर्थिक नीतियों से नौकरियों पर बड़ा खतराः प्रिंयका गांधी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में कोरोना का कोहराम फैला है। साथ युवा रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं। भाजपा सरकार अपने बही खातों में आंकड़ों के जरिए लाखों रोजगार दिखा रही है। बेरोजगारी और नौकरी जाने के डर पर कांग्रेस महासचिव और यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी ने भाजपा की यूपी सरकार और केंद्र सरकार की खिंचाई करते हुए कहाकि, हमको इस देश के भविष्य के लिए बोलना होगा। मैं बोल रही हूं, आप भी बोलिए। कांग्रेस महासचिव और यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी गुरुवार को अपने ट्विट पर लिखा कि, बढ़ते निजीकरण, सरकारी खर्चे में कटौती और भाजपा सरकार की खराब आर्थिक नीतियों के चलते आज नौकरियों पर सबसे बड़ा खतरा है। सरकार ने मौजूद नौकरियों में भी भर्तियों को रोक कर रखा है। हमको इस देश के भविष्य के लिए बोलना होगा। मैं बोल रही हूं, आप भी बोलिए। बेरोजगारों के समर्थन में बुधवार को कांग्रेस पार्टी ने भी रात 9 बजे अपनी बत्ती बंद की थी। प्रियंका गांधी अपने दूसरे ट्विट में कहाकि, देश के युवाओं को रोजगार चाहिए। उनकी रूकी हुई भर्तियों की ज्वाइनिंग, परीक्षाओं की डेट, नई नौकरियों की नोटिफिकेशन, सही भर्ती प्रक्रिया और ज्यादा से ज्यादा नौकरियां चाहिए। इसके बदले सरकार कोरे भाषण, लाठियां और उपेक्षा देती है। आखिर कब तक?

माकपा का 21 सितम्बर को प्रदेश भर में प्रदर्शन

लखनऊ, संवाददाता। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने कोरोना महामारी अवधि के बिजली बिल व अन्य टैक्स माफकरने, टैक्स वसूली करने तथा प्रत्येक जरूरतमंद को दस किलो अनाज निःशुल्क एवं 7500 रूपये नगद देने की मांगों सहित जनता के अन्य मुद्दे जरूरी मांगों को लेकर प्रदेश भर में 21 सितंबर को जुलूस निकालकर प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। माकपा राज्य सचिव मण्डल ने एक प्रेस विज्ञाप्ति में कहा है कि महामारी के शिकार दुनिया के दूसरे देशों में टैक्सों की वसूली स्थगित की गयी है एवं फौरी राहत के लिए नगद धनराशि दी गयी है किन्तु हमारे देश व प्रदेश में महामारी और बुरी तरह तबाह हुई जनता के ऊपर टैक्सों का बोझ डाला जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार निजी कंपनियों के मुनाफे के लिए पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम का निजीकरण करना चाहती है जिसका खामियाजा जनता को महंगी बिजली रेट देकर भुगतना पड़ेगा। क्या कारण है कि उत्तर प्रदेश में बिजली सबसें महंगी है। देश के किसी भी प्रदेश में महामारी काल में बिजली रेट नहीं बढ़ाया गया किन्तु उत्तर प्रदेश में इसकी तैयारी की जा रही है। किसानों बुनकरों के फिक्स रेट समाप्त कर मीटर व्यवस्था लागू की जा रही है और मनमाने तौर पर विद्युत भार बढ़ाये जा रहे हैं। उपभोग के मुकाबले अत्यधिक बढे बिल जनता को चुकाना पड़ रहा है। माकपा ने कहा कि बिजली मूल्यवृद्धि व निजीकरण के विरोध में जन आंदोलन किया जायेगा और बुनकरों, किसानों के लिए फिक्स रेट की मांग की जाएगी।

प्राणि उद्यान में वन्यजीवों के खाने पीने का कोई अभाव नहीं

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के एक दैनिक समाचार-पत्र में एक भ्रामक समाचार प्रकाशित हुआ है। प्राणि उद्यान प्रशासन द्वारा उक्त खबर का खण्डन किया जाता है। प्राणि उद्यान में वन्यजीवों के खाने-पीने आदि का कोई अभाव नहीं है और न ही इस कारण से किसी वन्यजीव को बाहर भेजे जाने का कोई प्रस्ताव है। यह सूचना नितान्त असत्य है।

शाहजहॉपुर में उप सम्भागीय परिवहन कार्यालय पर छापा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भ्रष्टाचार के मामलों में सतर्कता विभाग को कड़ी कार्यवाही किये जाने के निर्देशों के क्रम में आज जनपद शाहजहॉपुर में उप सम्भागीय परिवहन कार्यालय पर अचानक छापा मारा गया। गृह विभाग के प्रवक्ता ने उक्त जानकारी देते हुये आज यहॉ बताया कि सतर्कता विभाग के बरेली सेक्टर तथा जनपदीय पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से मारे गये इस छापे के दौरान भ्रष्टाचार के मामलों में सम्मिलत 15 से अधिक व्यक्तियों को पकड़ा गया है।

स्वतंत्र देव सिंह ने सेक्टर प्रभारी-संयोजक प्रशिक्षण कार्यक्रम को किया सम्बोधित

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने आज कहा कि भाजपा किसी परिवार के द्वारा संचालित होने वाला दल नहीं है। बल्कि संगठन के आधार पर आगे बढने वाला राजनैतिक दल है। पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि संगठनात्मक दृष्टि से सेक्टर संरचना पार्टी की सफलता को निर्धारित करने का एक बड़ा फैक्टर है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आहवान करते हुए कहा कि हर सेक्टर को भाजपा का अभेद्य किला बनाना है, जिससे विपक्ष आपकी सक्रियता व समर्पण के आगे घुटने टेक दे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की केन्द्र सरकार के साहसिक निर्णय तथा जनकल्याणकारी कार्यों तथा प्रदेश की योगी सरकार के नेतृत्व की भाजपा सरकार के कार्यों की पूंजी लेकर उसे बूथ तक पहुंचाने का काम भी करना हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सेक्टर प्रभारी व संयोजक प्रशिक्षण कार्यक्रम में उन्नाव जिले के बांगरमऊ व बुलन्दशहर विधानसभा के सेक्टर संयोजक, प्रभारी, मण्डल के प्रभारी, अध्यक्ष, महामंत्री व विधायकों से डिजिटल प्लेटफार्म पर जुड़ते हुए सम्बोधित किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश में भाजपा की सरकार आने के बाद हर गांव में बिजली, पानी, सड़क, सभी को आवास, शौचालय, बैंक एकाउन्ट, गैस कनेक्शन पहुंचाकर अन्त्योदय का संकल्प पूर्ण हो रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा विचार आधारित पार्टी है और इस विचार की रक्षा के लिए डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी व प. दीनदयाल उपाध्याय जैसे युग पुरूषों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। आज उन्हीं के बलिदान, त्याग, तपस्या और संघर्ष से भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनैतिक दल हैं। भाजपा की पूरी शक्ति संगठन के वैचारिक अधिष्ठान में निहित है। पार्टी के मूल में संगठन के विस्तार में ही सभी के राजनैतिक जीवन का ध्येय निहित है। इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन के केन्द्र में है।

मंदिर के बगल खुली देसी शराब की सरकारी दुकान, खराब हो रहा क्षेत्र का माहौल

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के महानगर थाना क्षेत्र में मंदिर के बगल में देसी शराब की सरकारी दुकान नियमो की ताकपर रखकर खुल रही है। रहीमनगर चौराहे से खुर्रमनगर जाने वाली सड़क पर मंदिर के चंद दूरी पर शराब की दुकान खुली है। जिससे वहां के स्थानीय लोगों के अंदर आक्रोश हैं। उनका कहना है ये शराब की दुकान .कागजों में हेरफेर कर के मंदिर के नजदीक ठेका खुला है। जिससे इलाके की शांति भंग हो गई है। बताया जा रहा है कि महानगर थाना क्षेत्र में रहीम नगर चौराहे से खुर्रम नगर को जाने वाली सड़क पर एकमात्र पेट्रोल पंप से पहले महाकालेश्वर मंदिर है। जहां निरंतर पूजा पाठ और समय-समय पर भंडारा आदि भी होता रहता है। मंदिर के बाएं हाथ अभी हाल ही में मंदिर के मात्र छह मीटर बगल में देसी शराब की सरकारी दुकान खुल गई है। अब प्रश्न यह है क्या सरकार अपने बनाये मानकों को ध्यान में न रखते हुए सरकारी शराब की दुकान का ठेका दे रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार या तो जन भावनाओं से खेलते हुए राजस्व में वृद्धि कर ले या जन भावनाओं का आदर करते हुए मंदिर की गरिमा को बरकरार रखे। मंदिर के बगल देसी शराब की दुकान खुल गई जिससे लोगों का भी जमावड़ा होने लगा है। शराब की दुकान पर गाली गलौच और मारपीट होती रहती है। स्थानीय जनता को आस-पास से निकलने में असमर्थता होती है। जिससे क्षेत्र का माहौल अत्यंत खराब हो रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पूजा पाठ करने में अत्यंत कठिनाई का सामना करना पड़ता है। जिनके कारण हमारे घरों की बहू बेटियों और बच्चों का निकलना दूभर हो गया है।

कूड़े से मुक्ति दिलाने के लिए द अलायंस टू एंड प्लास्टिक वेस्ट ने लॉन्च किया ऑल टुगेदर ग्लोबल क्लीनअप कैम्पेन

लखनऊ, संवाददाता। पर्यावरण पर कूड़े के प्रभाव को कम करने के अपने प्रयास को आगे बढ़ाते हुए, द अलायंस टू एंड प्लास्टिक वेस्ट ने आज ऑल,टुगेदर ग्लोबल क्लीनअप की घोषणा की है। यह वर्ल्ड क्लीनअप डे 2020 को मनाने के लिये पर्यावरण से एक बार में कूड़े का एक टुकड़ा उठाते हुए कूड़ा हटाने की एक वैश्विक पहल है।वर्ल्ड क्लीनअप डे 2020 (शनिवार, 19 सितंबर) से दो सप्ताह के लिये अलायंस के स्वयंसेवी, मेम्बर और नॉन-मेम्बर कंपनियों के कर्मचारी, विश्वभर के भागीदार और लोग अपने समुदायों में रैली करेंगे और कूड़े की खोज, पहचान, संग्रह और निपटान करेंगे। अलायंस के लगभग 50 मेम्बर्स के ग्लोबल नेटवर्क का लाभ उठाते हुए ऑलटुगेदर ग्लोबल क्लीनअप कूड़ा साफकरने के महत्व पर एक मिलियन से ज्यादा लोगों को शिक्षित करने की उम्मीद करता है।

असलहे के बल पर युवती से दुराचार, आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में असलहे के बल पर एक युवती से दुराचार का मामला सामने आया है। मलिहाबाद कोतवाली में किशोरी ने गांव के ही एक व्यक्ति पर असलहे के बल पर दुराचार करने का आरोप लगाया है। युवती के पिता के अनुसार, बीती देर रात वह परिवार के साथ बरामदे में सो रहे थे। उसी दौरान लल्ला सिंह आ धमका। किशोरी के सिर पर तमंचा सटाते हुये अगवा कर ले गया। सुबह बेटी के घर में नहीं मिलने पर परिवार वालों ने उसे तलाशना शुरू किया। इस बीच किशोरी घर लौट आई। उसने परिवार को लल्ला सिंह की करतूत के बारे में बताया। वहीं, पुलिस की जांच में पता चला कि पीड़ित ने लल्ला सिंह से एक लाख रुपये उधार लिये थे। जिसे लेकर पहले भी विवाद हुआ था। सीओ मलिहाबाद नईमुल हसन ने बताया कि आरोपों के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। साथ ही किशोरी को मेडिकल जांच के लिये भेजा गया है।

मुख्यमंत्री से निजी अस्पताल के खिलाफ लापरवाही की शिकायत

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में निजी अस्पतालों की मनमानी नहीं रुक रही। जगत नारायण रोड स्थिति निजी अस्पताल में इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। वहीं परिवारीजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। पीड़ित परिवारीजनों ने मुख्यमंत्री एवं सीएमओ से मामले की शिकायत की है।

भाजपा सरकार ने देश को डुबो दियाः अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने देश को डुबो दिया है। देश का शासन चलाने की जगह वह देश के साधनों और संसाधनों का बाजार लगा रही है। इसने देश-प्रदेश में टोल, मण्डी, सरकारी माल, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, हवाई अड्डा, रेल सहित बीमा कम्पनी के निजीकरण से युवाओं के रोजगार के अवसरों को बेच डाला है। स्थिति यह है कि रोजगार की स्थिति पिछले 15 सालों में सबसे खराब है। नौकरियां मिलने के बजाय छूट रही हैं। कम्पनियां अपने कर्मचारियों की छंटनी कर रही हैं। रेलवे अस्पतालों को बेचने के लिए टेण्डर मांगे गए हैं। डेढ़ साल तक मंहगाई भत्ता बंद करने के बाद रेलवे में सेवानिवृत्ति के बाद खाली पदों में 50 प्रतिशत की समाप्ति की रणनीति बनी है। करीब डेढ़ लाख रेल कर्मचारियों की नौकरी से छुट्टी होनी है। भारतीय रेल ने 109 रूट पर अत्याधुनिक प्राइवेट ट्रेन चलाने का

फैसला किया है। इसमें विदेशी कम्पनियां भी शामिल हो सकती है। देश में सरकारी बैंकों की संख्या 12 से पांच करने की तैयारी है। उनका निजीकरण होगा। पिछले वर्ष 10 सरकारी बैंकों का विलय कर चार बड़े बैंक बनाने का फैसला लिया गया। अब सरकार उन बैंकों की हिस्सेदारी निजी क्षेत्र को बेचने की तैयारी कर रही है, जिनका विलय नहीं किया गया है। केन्द्र सरकार के प्रस्ताव पर अमल हुआ तो जल्द ही पुलिस विभाग में 50 से अधिक सेवाएं पूर्ण या आंशिक रूप से निजी हाथों में होंगी। बीमा कम्पनियों का भी निजीकरण प्रस्तावित है। एयरपोर्ट तो प्राईवेट कम्पनियों को दे ही दिये गये हैं। तीन लाख करोड़ की सम्पत्ति वाले बीएसएन एल को 950 करोड़ रूपये में बेचने की तैयारी है। भाजपा सरकार तो अपनी डांवाडोल आर्थिक स्थिति के कारण व्यापक स्तर पर सरकारी सेवाओं को निजी हाथों में देने जा रही है लेकिन इसके दुष्प्रभावों के बारे में उसे चिंता नहीं। संयुक्त राष्ट्र संघ के अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने कहा है कि भारत में 40 करोड़ रोजगार जा सकते हैं। उसकी रिपोर्ट में कहा गया है कि दूसरे महायुद्ध के बाद कोरोना काल में यह सबसे भयानक संकट की आहट है। श्रमिकों और व्यवसायों को तबाही का सामना करना पड़ेगा। समाजवादी पार्टी यह कहती रही है कि भाजपा की गलत नीतियों नोटबंदी, दाषपूर्ण जीएसटी, आर्थिक अस्थिरता के डर और कुछ अपने चहेते पूंजीपतियों को बचाने और उनको लाभ पहुंचाने के कारण देश की जीडीपी में भीषण गिरावट आई है। आजाद भारत के इतिहास में इस भाजपा सरकार में देश से अधिकारिक रूप से सबसे ज्यादा पैसा विदेशों में गया है। भारत की अर्थव्यवस्था बर्बादी की ओर है। कैसी विडम्बना है कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों के विरोध में अपनी बात शांतिपूर्वक तरीके से रखने वाले युवा समाजवादी सिपाहियों पर बर्बरता से लाठीचार्ज कर उनकी गिरफ्तारी की जाती है। बेरोजगारों की जायज मांग उठाने वालों के खिलाफयह कायराना हरकत है। समाजवादी नौजवान सरकार की गलत नीतियों का विरोध करते रहेंगे। समाजवादी सत्य पर डटे रहेंगे और अन्याय नहीं सहेंगे। युवाओं ने वस्तुतः भाजपा के शासनकाल की उल्टी गिनती की शुरूआत कर दी है। कल नौजवानों के समर्थन में समाजवादी साथियों ने मोमबत्तियां जलाकर युवाक्रान्ति की दिशा में सार्थक पहल की है। भाजपा को नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद करना चाहिए। समाजवादी पार्टी के शासनकाल में उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी के खिलाफ जंग में नौजवानों को बेकारी भत्ता और बड़ी तादात में नौकरियां देने के साथ कौशल प्रशिक्षण की भी व्यवस्था की गई थी ताकि वे बेहतर रोजगार पा सकें। भाजपा ने निराशा और कुंठा में ग्रस्त नौजवानों को अंधेरी गुफा में ढकेलने का काम किया है। सन् 2022 में नौजवान भाजपा से उसके कामों का पूरा हिसाब लेंगे।

मेयो अस्पताल में कोरोना मरीज की मौत परिजन ने जमकर काटा हंगामा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर स्तिथ मेयो अस्पातल में उस वक्त अफरातफरी मच गई जब परिजन ने कोरोना मरीज की मौत के बाद परिजनों वहां हंगामा काटना शुरू कर दिया। कोरोना संक्रमित मरीज के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों का आरोप है, कि 3 दिन में मनमाने तरीके से डॉक्टरों ने 3 लाख का बिल बना दिया। जब मरीज की मौत हो गयी। तो शव देने से पहले वो 3 लाख की मांग को लेकर अड़े रहे। इंसानियत को तार-तार कर देने वाली एक और घटना लखनऊ से सामने आई है। जहां एक अस्पताल प्रशाशन ने शव देने के बदले पैसे की मांग को रख दिया। घटना लखनऊ के गोमतीनगर स्तिथ मेयो अस्पातल की है। परिजनों का कहना है की 3 दिन पहले नाका के पानदरीबा में रहने वाले 45 वर्षीय रमेश कुमार सिंह को

लोकबंधु अस्पताल से कोविड एल 3 रेफर किया गया था। रमेश कुमार सिंह कोरोंना से संक्रमित थे। जिनकी हालत नाजुक थी। परिजनों का आरोप है की डॉक्टरों की लापरवाही और प्रशासन के लापरवाह रवैये से रमेश की मौत हो गयी। परिजनों ने सरकार द्वारा निर्धारतीत मूल्य को ताक पर रखते हुए अस्पताल ने 3 लाख रुपये का बिल बना दिया। पहले तो एडवांस में 2 बारी में डेढ़ लाख के आस-पास भर्ती और दवाइयों के नाम पर पैसे वसूल लिए गए लेकिन कल शाम ही रमेश की मौत हो गयी। आरोप है की जब रमेश की डेड बॉडी को वो अंतिम संस्कार के लिए ले जाने लगे तब अस्पताल ने बाकी पैसे चुका कर शव को ले जाने की शर्त रखी। लिहाजा इसी बात को लेकर परिजनों ने हंगामा किया। सूचना पाकर मौके पर भारी पुलिस बल के साथ अपर सिटी मजिस्ट्रेट पहुंचे।

गोरखपुर के युवा ने कबाड़ से बना दी इलेक्ट्रिक गाड़ी

तस्वीरों में देखें इसकी हुनर का कमाल

गोरखपुर/ लॉकडाउन में बहुत से ऐसे युवा है जिन्होंने प्रधानमंत्री के आपदा में अवसर आहान से अपने लिए एक नई लाइन तैयार कर ली। बात कर रही है यूपी के गोरखपुर शहर के युवा शक्ति सिंह की। कोरोना काल में उन्होंने कबाड़ से ही एक तीन पहिया सवारी इलेक्ट्रिक गाड़ी बना दी और 50 हजार रुपए में इसे बेच भी दिया। गाड़ी को बनाने की लागत लगभग 35हजार रूपए आई है। अब उनकी योजना इसे व्यवसाय का रूप देने की है। इससे रोजगार भी सरजित होगा।

शक्ति सिंह ने अपनी शुरुआती पढ़ाई शहर के एक निजी स्कूल से की। 12वीं के बाद उन्होंने

चंडीगढ़ से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की और फिर 1 साल का इंजीनियरिंग कोर्स भी किया। परिवार के सदस्य शहर में ही पैडलेगंज से इलेक्ट्रिक गाड़ियों का व्यापार करते हैं। लेकिन शक्ति सिंह पढ़ाई के बाद नौकरी करना चाहते थे। शक्ति सिंह मार्च में अपने घर आए इसी बीच लॉक डाउन हो गया। फिर परिवार के सदस्यों ने बाहर जाने

से मना किया और परिवारिक व्यवसाय में सहयोग करने को कहा। शक्ति सिंह ने बताया कि मई-जून के बीच थोड़ा बहुत काम शुरू हुआ था। लेकिन इसी बीच व्यापार नहीं होने की वजह से कर्मचारियों के वेतन के साथ साथ अन्य संकट भी खड़े हो गए। इसी दौरान शोरूम के स्टोररूम में उन्हें गाड़ियों का कबाड़ रखा दिखाई दिया। इससे उनके दिमाग में एक आईडिया क्लिक किया। उन्होंने एक-एक कर स्कैप जूटा कर गाड़ी बनानी शुरू की। डेढ़ महीने में तीन पहिया की गाड़ी बनकर तैयार हो गई। गाड़ी में इलेक्ट्रिक के काम के लिए बाजार से सामान खरीदा गया। इसके अलावा सभी कामों में स्कैप का ही प्रयोग किया। एक बार बैटरी फुल चार्ज होने पर गाड़ी लगभग 60 किलोमीटर तक चलेगी। फुल चार्ज करने में 8 घंटे का समय लगेगा। गाड़ी बेहद मजबूत है और इसका वजन करीब 7 कुंतल है जबकि सामान्य गाड़ी का वजन 5 कुंतल तक होता है। गाड़ी को बनाने में स्कैप, टायर, डिस्क, ब्रेक, एलईडी लाइट, के साथ सीट व अन्य चीजें लगी है। करीब 12 हजार रुपए मूल्य का स्कैप और 23 हजार रुपए का अन्य सामान बाजार से खरीद कर लाया है। उन्होंने बताया कि पहले मेरे पिता एवं परिवार के लोगों ने इसे बनाने पर डाटा, लेकिन बाद में उन्होंने मेरी मदद की।

अंडर पास बना राहगीरों के लिए मुसीबत

महाराजगंज। गोरखपुर नौतनवां रेलखंड के पुरंदरपुर रेलवे स्टेशन के उत्तरी छोर पर स्थित गेट संख्या 13 सी राहगीरों के लिए मुसीबत बना हुआ है। क्षेत्र के 3 दर्जन से अधिक गांवों का यह प्रमुख मार्ग है जिससे आने-जाने में लोगों को पूर्ण रूप से कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यही नहीं उक्त अंडर पास से बरसात ना होने से पूर्व ही जलजमाव रहता था लेकिन अब बरसात के मौसम में अंडर पास की हालत नदी जैसी बनी हुई है। उक्त मार्ग से महिलाएं छात्र-छात्राएं व गैर जिलों से आए राहगीर गुजरते हैं जिन्हें इन दिनों काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है।और तो और बाइक चालक अंडर पास पुल के नीचे फिसलकर पानी में गिरने से चोटिल भी हो जा रहे हैं। बताया जाता है कि उक्त अंडर पास पुल के नीचे करीब 6 फिट से अधिक पानी हर वक्त जमा रहता है। जिससे राहगीरों को आने जाने मे काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। शाम ढलते ही पुल के नीचे अंधकार छा जाता है जिससे लोग काफी भयभीत रहते हैं। सूत्रों का यह भी कहना है कि यहां मनचले छींटाकशी भी करते रहते हैं। समय के आभाव को देखते हुए राहगीर अगर उक्त मार्ग छोड़कर दूसरे मार्ग से आवागमन करते हैं तो उन्हें अतिरिक्त 25 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है।

सुधीर त्रिपाठी के निधन पर,चेयरमैन गुड्डू खान ने दी श्रद्धांजलि

सोनौली नगर पंचायत की आधारशिला रखने वाले तथा प्रथम नगर पंचायत अध्यक्ष प्रति,आमजन के सुख-दुख के साथी,विकास पुरुष तथा कोरोना काल मे अपने क्षेत्र के लोगो की दिन-रात सेवा करने वाले कोरोना योद्धा सुधीर त्रिपाठी के असामयिक निधन पर आज नौतनवा नगर पालिका अध्यक्ष गुड्डू खान ने अपने कैम्प कार्यालय पर शोक सभा का आयोजन किया जिसमें पालिका के सभासद गण व अन्य उपस्थित लोगों ने श्री त्रिपाठी के चित्र पर पुष्प अर्पित किया और दो मिनट का मौन धारण कर उस मृत आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना किये।कार्यक्रम का संचालन राजेश बाउड ने किया। इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष ने शोक व्यक्त कर रोते हुए कहा कि फ़जब कोई अपना चला जाता है तो बहुत दुःख होता है मगर शरीर नश्वर है हमें यही दुआ करनी चाहिए कि श्री त्रिपाठी आज हमारे बीच नहीं है प्रभु उन्हें मोक्ष प्रदान करें तथा उनके परिवार के सभी सदस्यों को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

ने सम्बेदना ब्यक्त करते हुए कहा कि इस सत्यता को नकारा नहीं जा सकता कि दुःख कितना भी बड़ा क्यों ना हो धैर्य और संतुलन रखिये समय आपको हारने नहीं देगा, इस अवसर पर सभासद भानू कुमार,रामबृक्ष, किसमती देवी,अनित यादव,अनिल पटवा,मो शकील,गुड्डू अंसारी, रोहित चौहान, पप्पू ,अनिल,अशोक कुमार, विशाल,धर्मात्मा,शाहनवाज खान,अनिल मद्धेशिया के अलावा जिला पंचायत सदस्य वसीम खान, बन्टी पाण्डेय,प्रमोद पाठक, धीरेंद्र सागर,राजेन्द्र,मो० शार्वी,राजकुमार गौड़, बबलूलारी,पवन पाण्डेय,अजुन राय,राजकुमार अग्रहरी, शादाब अन्सारी आदि लोग उपस्थित रहे। अधिशासी अधिकारी वीरेन्द्र कुमार राव

हिस्ट्रीशीटर पार्षद सौरभ विश्वकर्मा, भाई संग गिरफ्तार
सपा के प्रदर्शन के दौरान पुलिस से हाथापाई का आरोप

गोरखपुर/राजघाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत मिर्जापुर के रहने वाले नगर निगम के चर्चित पार्षद सौरभ विश्वकर्मा के घर मंगलवार की रात आधा दर्जन थानों की पुलिस ने छापा मारा। पुलिस टीम ने हिस्ट्रीशीटर पार्षद सौरभ विश्वकर्मा और हिस्ट्रीशीटर भाई चंदन विश्वकर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके घर से चार तमंचा और 12 का कारतूस भी बरामद किया। दोनों भाइयों ने 7 अगस्त की शाम को बीआरडी मेडिकल कॉलेज के लिए द्वार पर सपा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पुलिसकर्मियों से संघर्ष किया था। दोनों के खिलाफ गुलरिहा थाना और चिलुआताल थाने में मुकदमा दर्ज था।

बीआरडी मेडिकल कॉलेज परिसर में 7 अगस्त 2020 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 300 बेड के कोविड अस्पताल का उद्घाटन किया गया। इसी दिन दोपहर बाद समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मेडिकल कॉलेज मुख्य द्वार पर पहुंच कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस

दौरान माहौल बिगड़ता देख पुलिस कर्मियों ने हल्का बल प्रयोग भी किया। इस मामले को लेकर गुलरिहा और चिलुआताल थाने में सपा कार्यकर्ताओं के विरुद्ध धारा 144 और महामारी अधिनियम का उल्लंघन करने तथा लोक व्यवस्था भंग करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। नगर निगम पार्षद सौरभ विश्वकर्मा और उसका भाई चंदन विश्वकर्मा दोनों लोग नामजद आरोपित है। सौरभ विश्वकर्मा और चंदन विश्वकर्मा राजघाट थाने के हिस्ट्रीशीटर भी है।

पुलिस ने दोनो आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए मंगलवार की रात में उनके घर पर छापा डाला। इस दौरान गुलरिहा थाना, चिलुआताल थाना, राजघाट, कोतवाली और तिवारीपुर थाने की पुलिस बुला ली गई थी। पुलिस ने पार्षद और उसके भाई को हिरासत में ले लिया और घर की तलाशी ली। पुलिस ने उनके घर से 315 बोर का तीन और 12 बोर का एक तमंचा बरामद किया। इतना ही नहीं 12 जिंदा कारतूस भी बरामद हुआ है। असलहा बरामद होने के मामले में राजघाट स्पेक्टर की तहरीर पर दोनों भाइयो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर बुधवार को कोर्ट में पेश किया। गुलरिहा और चिलुआताल पुलिस में भी प्रदर्शन के मामले में दर्ज मुकदमे में कोर्ट में अलग-अलग रिमांड पेश किया। तीनों मामलों में आरोपितों को न्यायिक अभिरक्षा में लेकर जेल भेज दिया गया है।

कम्बाईन हार्वेस्टर के साथ सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम अथवा स्ट्रा रिपर अथवा स्ट्रा रेक एवं बेलर का उपयोग किया जाना अनिवार्यः जिलाधिकारी

संतकबीर नगर। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता के निर्देश के क्रम में अपर जिलाधिकारी संजय कुमार पाण्डेय ने जनपद के समस्त कम्बाईन हार्वेस्टर मशीन स्वामियों को अवगत कराया है कि शासन के निर्देशानुसार कम्बाईन हार्वेस्टर के साथ सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम अथवा स्ट्रा रिपर अथवा स्ट्रा रेक एवं बेलर का उपयोग किया जाना अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने बताया है कि धान फसल कटाई से पहले सभी कम्बाईन हार्वेस्टिंग मशीन स्वामी यह सुनिश्चित कर लें की उनके कम्बाईन हार्वेस्टिंग मशीन के साथ सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम अथवा स्ट्रा रिपर अथवा स्ट्रा रेक एवं बेलर लग जाए। अन्यथा की दशा में उक्त व्यवस्था के बैवर कोई भी कम्बाईन हार्वेस्टिंग मशीन यदि फसल कटाई करते हुए पायी जाएगी तो उसके स्वामी के विरूद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाई करते हुए कम्बाईन हार्वेस्टिंग मशीन सीज कर दी जाएगी।

आया प्रशासन बैकफुट पर गोरखपुर में शुरू हुआ मूर्ति बनाने का काम

गोरखपुर/ गोरखपुर में मूर्ति बनाने का काम फिर से शुरू हो गया है। पुलिस ने मूर्ति बना रहे शिल्पकारों को धमका कर मूर्ति बनाने से मना किया था दुर्गा पूजा को देखते हुए घर में स्थापित की जा सकने वाली छोटी दुर्गा प्रतिमा बनाने का काम शिल्पकरो ने

एक बार फिर शुरू कर दिया है। स्थानी पुलिस ने दबाव बनाकर करीब एक सप्ताह पहले काम रुकवा दिया था। उन्होंने मूर्ति निर्माण का आदेश न होने की बात कही थी। उच्च अधिकारियों ने कहा नहीं है मूर्ति बनाने पर कोई रोक बक्सीपुर के कुंभार टोला सहित पूरे शहर में अलग-अलग मोहल्ले में 3 फिट से कम की दुर्गा प्रतिमा का निर्माण हो रहा था। करीब 1 सप्ताह पहले पुलिस ने मूर्ति बनाने का काम यह कहते हुए रुकवा दिया था कि इसकी अनुमति नहीं है। शिल्पकारों ने हर साल की तरह ही मूर्ति निर्माण का हवाला दिया लेकिन उन्हें चालान की धमकी दी गई। आज से मूर्ति शिल्पकारों ने मूर्ति बनाने का काम शुरू कर दिया है।

गोरखनाथ थाने का वांछित अभियुक्त आया पुलिस की गिरफ्त में

मुकदमे में वांछित अभियुक्त को गोरखनाथ पुलिस ने किया गिरफ्तार

गोरखपुर/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगिंदर कुमार के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत गोरखनाथ थाने का वांछित अभियुक्त दिलीप कुमार श्रीवास्तव उर्फ मुकेश कुमार श्रीवास्तव पुत्र राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव पिपरा बाजार थाना कुल्हई जनपद महाराजगंज हालपता हुमायुपुर थाना गोरखनाथ जनपद गोरखपुर को गोरखनाथ पुलिस के द्वारा हडहवा फाटक रेलवे क्रॉसिंग हुमायूंपुर उत्तरी से गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार अभियुक्त के ऊपर गोरखनाथ थाने संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज था और यह काफी दिनों से फरार चल रहा था गोरखनाथ पुलिस के द्वारा आज इसे गिरफ्तार कर लिया गया गिरफ्तार करने वाली टीमों में थाना प्रभारी गोरखनाथ रामाज्ञा सिंह, हेड कांस्टेबल अजय नारायण सिंह,कांस्टेबल आशुतोष कुमार सिंह, कांस्टेबल सुधीर कुमार सिंह शामिल है

ब्लाक मुख्यालय पर प्रवासी मजदूरों ने किया हंगामा

महराजगंज। नौतनवा ब्लाक क्षेत्र के ग्राम पंचायत विषखोप के ग्रामीण और प्रवासी मजदूरों ने बुधवार को सैकड़ो की संख्या मे ब्लाक मुख्यालय रतनपुर पहुच कर नारे बाजी करने के साथ ही हंगामा करने लगे। प्रवासी मजदूर मांग कर रहे थे कि हमारे ग्राम पंचायत मे

विषखोप मे मजदूरों को काम नही मिल पा रहा है। जिससे आजिज हम लोगों को मनरेगा योजना के तहत काम नही मिल पा रहा है। जिससे हम लोगो के सामने बहुत बड़ा संकट आ गया है,परिवार भुखमरी के कागार पर है। अगर हम मजदूरों को काम नही मिला तो हम सभी लोग को मजबूरन कोरोना काल मे ही गांव छोड़कर पलायन करना पड सकता है।जबकि उत्तर प्रदेश सरकार का यह सख्त निर्देश है कि प्रवासी मजदूरों को हर हाल मे गांव मे ही काम उपलब्ध कराया जाय। लेकिन हमारे ग्राम पंचायत आकर हम विवेक मद्देशिया, राजेश, शैलेश मद्देशिया , सतीश, राधेश्याम, अनीता चौधरी,बृजेश पाल, कपिलमुनि, पल्टू ,बाबूराम, लालमोहन, प्रहलाद, नूर मोहम्मद आदि ने पत्र के माध्यम से ग्राम विकास मंत्री, प्रमुख सचिव लखनऊ, जिलाधिकारी महराजगंज, मुख्य विकास अधिकारी महराजगंज को पत्र लिखकर गांव मे मनरेगा कार्य दिलाने की मांग किया है।

भाजपा पुलिस के बल पर राजनीति करना बंद करेंः जय प्रकाश यादव

गोरखपुर/कैंपियरगंज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत खैराट दबौली दुर्गा मंदिर चौराहे पर समाजवादी पार्टी अगस्त क्रांति प्रपत्र चौपाल लगाकर ग्रामीणों के बीच में जिला उपाध्यक्ष प्रभारी विधानसभा कैंपियरगंज जयप्रकाश यादव ने अपनी बात रखते हुए कहा देश और प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है।2014 के चुनाव में भाजपा ने वादा किया था हम अच्छे दिन लाएंगे हम नौजवानों को नौकरी देंगे हम देश और प्रदेश में कारखाने लगाएंगे कानून व्यवस्था ठीक रखेंगे शिक्षा स्वास्थ्य फ्री करेंगे लेकिन झूठ बोलने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार अभी 7 तारीख को गोरखपुर पुलिस द्वारा हम समाजवादियों के उपर ना लाठी बरसाया जा रहा था गोरखपुर में पूर्व की सरकार ने मेडिकल कॉलेज में 500 बेड का अस्पताल देने का काम किया था।काम लगभग पूर्व के सरकार में ही पूरा हो गया था लेकिन उत्तर प्रदेश की सरकार ने जनता को

गुमराह करने का काम किया और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उसका उद्घाटन किया हमें उद्घाटन से कोई विरोध नहीं है ।लेकिन हम बताना चाहते हैं जालिम सरकार में हम समाजवादी पार्टी के लोग शांतिपूर्वक मेडिकल कॉलेज गेट पर लड्डू और माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी को धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए गए। थे लेकिन हम निहत्थे लोगों पर पुलिस ने बर्बर लाठी मारने का काम किया है और एक नहीं दो दो थानों पर हम लोगो के खिलाफ एफ आई आर दज. हुआ है। हम भारतीय जनता पार्टी के लोगों को बता देना चाहते हैं और गोरखपुर के प्रशासन को चेतावनी देते हैं।की हम समाजवादी पार्टी के लोग हैं ।लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं हम अपनी आवाज और बुलंद करेंगे प्रदेश में लूट ,हत्या, बलात्कार, किसानों का उत्पीड़न बंद हो व्यापारियों का उत्पीड़न बंद हो नौजवानों का उत्पीड़न बंद हो जब तब तक संघर्ष करेंगे जब तक अखिलेश यादव जी को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री नहीं बना लेते हैं कार्यक्रम घनश्याम यादव,अखिलेश यादव भोला सुरेंद्र मौर्य विक्रम यादव साधु यादव ओम प्रकाश पंकज कुमार यादव सुनील सिंह युवराज आनंद यादव राम कमल यादव रामसमुझ यादव राज देव साहनी रघुवीर निषाद धर्मवीर निषाद गोरख मिश्रा राम सुमन यादव विवेक मिश्रा, वर्तमान समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के गृह जनपद में ग्रामीण पानी में डूबे हुए लकड़ी के पुल से जाने को मजबूर

गोरखपुर/ मुख्यमंत्री के गृह जनपद गोरखपुर के विकासखंड भटहट के अंतर्गत जंगल डुमरी नंबर 1 स्थित फैलहवा घाट में थोड़ी सी नदी उफान होने के बाद लगभग 5000 लोगों को यातायात में काफी परेशानी हो रहे हैं। आपको बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब सांसद हुआ करते थे। उसी समय से ये पुल बनने की कवायद चल रही थी। परंतु आज जो योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री हैं तब इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। स्थानीय लोग कई बार ज्ञापन दे चुके तुरंत इसका कोई भी समाधान नहीं हो सका।लगभग 5000 लोगों की यह समस्या को दूर करने के लिए डुमरी के फैला हुआ टोला के निवासी उसी नदी पर लकड़ी का पुल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन और एक प्रयास किसी दिन बड़ी दुर्घटना के साथ ग्रामीणों की जान जाने का कारण हो सकता है।

टोन्स नदी के सीना चीर कर निकाला जा रहा लाल सोना, प्रशासन मौन

बालू के अवैध खनन व परिवहन पर रोक लगाने की मांग

प्रयागराज। शंकरगढ़ थाना अंतर्गत नारीबारी चौकी क्षेत्र के जरखोरी गांव के सामने से निकल रही टोंस नदी से अवैध खनन किया जा रहा है साथ ही क्षेत्र के आधा दर्जन गांवों में डम्प बालू का ट्रैक्टरों द्वारा परिवहन किया जा रहा है। जिससे बालू कारोबारी मालामाल हो रहे हैं तथा सरकार के राजस्व को लाखों रुपये का चूना लगाया जा रहा।

ज्ञात हो कि नारीबारी चौकी क्षेत्र के दर्जनों गांवों के सामने से निकलने वाली टोंस नदी से पूर्व में बालू निकासी का पट्ठा किया गया था जिसे बाद में निरस्त कर दिया गया था उस समय क्षेत्र के जरखोरी, सलैया, मवैया, छतरगढ़, बैरिहा आदि गांवों में भारी मात्रा में अवैध बालू डम्प की गई थी जिसे खनन विभाग व तहसील प्रशासन सीज कर दिया था उसी डम्प बालू को ट्रैक्टरों द्वारा परिवहन किया जा रहा है साथ ही

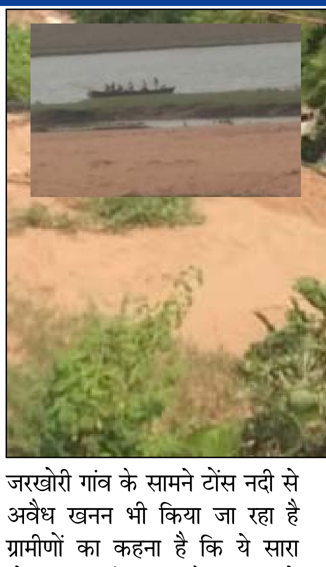

जरखोरी गांव के सामने टोंस नदी से अवैध खनन भी किया जा रहा है ग्रामीणों का कहना है कि ये सारा खेल इलाकाई पुलिस के संरक्षण में किया जा रहा है। क्षेत्रीय जनों ने सम्बन्धित उच्चाधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए उक्त अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने की

मांग की है। क्या कहते हैं परगनाधिकारी बारा गौरव रंजन श्रीवास्तव,हो रहे अवैध खनन व परिवहन मेरे संज्ञान में नही है अगर ऐसा हो रहा है तो चिन्हित करके बिधिक कार्यवाई होगी जिसकी भी संलिप्ता पाई जाएगी उसको बख्शा नही जायेगा।

हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाएं वाहन स्वामी- एआरटीओ

महराजगंज। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी आरसी भारतीय ने कहा कि जिन वाहनों का टैक्स नहीं जमा है उसके वाहन स्वामी अविलंब टैक्स जमा कर दें, तथा हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट भी लगवा लें वरना अभियान चलाकर व्यवसायिक वाहनों की चेकिंग की जाएगी। चेकिंग के दौरान टैक्स जमा तथा हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट नहीं होगा तो कार्रवाई तय है। उन्होंने कहा कि किसी भी दशा में बिना टैक्स जमा किए गाड़ियों को चलने नहीं दिया जायेगा। इसके लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। चेकिंग के दौरान बिना टैक्स जमा किए गाड़ियों को सीज कर दिया जायेगा। एआरटीओ ने कहा कि जिन-जिन व्यवसायिक वाहनों का अभी टैक्स बाकी है, वे जल्द से जल्द टैक्स जमा कर दें। साथ ही 15 सितम्बर तक सभी व्यवसायिक व भारी वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगवा लें वरना उसके बाद चेकिंग के दौरान पकड़े जाने पर कार्यवाही तय है।

एसएसपी गोरखपुर ने तेज तर्रार थानेदारों को दिया नई बोलेरो की सौगात

खजनी थाने को मिला नए वाहन का सौगात

गोरखपुर/ अपराध व अपराधियो पर अंकुश लगाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगेंद्र कुमार तेज तर्रार थानेदारों को नई वाहन का शौगात दिए । उत्तर प्रदेश के मंशा अनुसार अपराध व अपराधियो पर नकेल कसने के लिए जनपद के कई थानों में नई बोलेरो का सौगात मिला है ।

इसी क्रम में आज खजनी थाने में मिले नई बोलेरो का पूजन थानेदार मृत्युंजय राय ने किया। वाहन पूजन के दौरान उपनिरिक्षण, प्रवीण कुमार सिंह, अवधेश उपाध्याय, जयप्रकाश यादव,चन्द्र भूषण पांडेय ,महिला कांस्टेबल एकता सिंह, मंजुला शुक्ला ,आदि समस्त स्टॉप मौजूद रहा।

राज्यों की राजकोषीय मदद करे केंद्र

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रसंगवश की गयी टिप्पणी 'ईश्वर का कृत्य' के लिए बीता सप्ताह चर्चा में रहा. वे कोविड-19 महामारी का जिक्र कर रही थीं, जो अब भारत समेत दुनिया में आयी अभूतपूर्व मंदी के प्रमुख कारण के रूप में देखा जा रहा है. इस ओर किसी ने ध्यान ही नहीं दिया कि सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) वृद्धि और निवेश औसत का धीमा होना, निर्यात में ठहराव या बैंकों के बढ़ते खराब ऋण औसत ने इस संकट को बढ़ाया है. महामारी के प्रकोप के पहले भी राजकोषीय तनाव बढ़ रहा था और कर-संग्रह की अपर्याप्तता का दबाव भी दिख रहा था. वित्त मंत्री ने एक वाणिज्यिक अनुबंध में प्राकृतिक आपदा को 'ईश्वर के कृत्य' के रूप में उल्लिखित किया. इस मामले में जो 'अनुबंध' है, वह 2017 का एक संसदीय अधिनियम है, जो वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के जरिये कर संग्रह में कमी आने पर केंद्र द्वारा राज्यों को क्षतिपूर्ति की गारंटी देता है. क्षतिपूर्ति खंड कहता है, बीते वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि से नीचे जानेवाले राजस्व की भरपाई पांच वर्ष तक, यानी 2022 तक, केंद्रीय कोषागार निधि से की जायेगी. महामारी के पहले से जीडीपी वृद्धि के धीमे होते जाने के कारण इस दायित्व के निर्वहन में दिक्कत आ रही थी. मौजूदा वित्त वर्ष में कर पूर्वानुमान व उसके गणित की स्थिति डांवाडोल रहेगी और केंद्रीय राजकोषीय घाटा तेजी से बढ़ेगा. राज्यों की स्थिति भी ऐसी ही रहेगी. पहले राज्यों के राजस्व घाटे की भरपाई होना निश्चित था, इसलिए वे कम चिंतित थे।

लेकिन जीएसटी परिषद् की हालिया बैठक के बाद ऐसा लगता है कि राज्यों के घाटे की भरपाई नहीं हो पायेगी. ऐसा लगता है, जैसे केंद्र महामारी के कारण उत्पन्न इस असाधारण परिस्थितियों का हवाला देते हुए 2017 के अधिनियम के तहत अपने दायित्व का पालन नहीं करेगी. इसीलिए केंद्र ने रिजर्व बैंक या ओपन मार्केट से खुद उधार लेकर राज्यों से घाटे की भरपाई करने को कहा है. इसमें अनेक तरह की दिक्कतें है. हमारे देश की बनावट अमेरिका से अलग हैं. वहां स्वैच्छिक रूप से प्रांतीय सत्ता एक साथ आयी थीं. जबकि, भारत के राज्य संघ द्वारा निर्मित हैं. केंद्र सरकार नये राज्यों का निर्माण कर सकती है, जैसा पिछले कुछ दशकों में अनेक बार हुआ है. यहां तक कि राज्यों को फिर से केंद्र शासित क्षेत्र में परिवर्तित किया गया है. जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के मामले में हमने इसे देखा है. इस लिहाज से देखें, तो भारत में संघवाद की प्रकृति दूसरे संघ संगठित देशों से अलग है. दूसरी बात यह है कि संविधान स्पष्ट रूप से केंद्र की अनुमति के बिना राज्यों को और अधिक ऋण लेने पर रोक लगाता है. राज्यों को विदेश से भी ऋण लेने की मनाही है. वे डॉलर में कर्ज नहीं ले सकते हैं, यहां तक कि आज की स्थिति में भी नहीं, जब ब्याज दर लगभग शून्य है. हाल ही में केरल ने लंदन में सूचीबद्ध रुपया, जिसे 'मसाला बॉन्ड्स' कहा गया, के जरिये कर्ज लिया, तो काफी विवाद हुआ था. राज्यों पर इस रोक का तर्क भलाई के लिए है, एक राज्य के डॉलर के हिसाब में दिवालिया होने का असर पूरे देश की रेटिंग पर पड़ सकता है. इस तरह की ऋण संकट तबाही को 1980 के दशक में लैटिन अमेरिका में हम देख चुके हैं. इसलिए भारत में पहले से कर्ज में डूबे राज्य को बिना स्पष्ट आज्ञा के रिजर्व बैंक या खुले बाजार से उधार लेने की मनाही है. इसी कारण कुछ राज्य कर्ज लेने के लिए चालें चल रहे हैं, जैसे राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों के नाम पर उधार लेना. इस तरह वे कॉरपोरेट बैलेंट शीट में कर्ज छिपा रहे हैं।

राज्यों की कर्ज राशि नहीं बढ़ने देने का दूसरा कारण है ऋण सेवा क्षमता. जब राज्य बाजार या रिजर्व बैंक के पास कर्ज लेने जायेंगे, तो उन्हें केंद्र की तुलना में कहीं अधिक उच्च ब्याज दर चुकाना होगा. चूंकि उनकी कर स्वायत्तता अत्यधिक प्रतिबंधित है, ऐसे में जीएसटी की बदौलत उनकी चुकौती क्षमता भी घटी है. इस महामारी में भी केंद्र के ऋण और जीडीपी के अनुपात में काफी वृद्धि हुई है, वह पूरी तरह तर्कसंगत है. दरअसल, केंद्र अतिरिक्त राजकोषीय निधि के रकम के लिए एक दीर्घकालिक विशेष कर मुक्त कोविड-19 बॉन्ड जारी कर सकता है. डॉलर निवेशकों को संप्रभु बॉन्ड बेचने या थोड़ी संख्या में अनिवासी भारतीयों को इसे बेचे जाने की चर्चा है. राज्यों के लिए यह विकल्प उपलब्ध नहीं है. सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू) के वित्त पोषण को यहां याद किया जा सकता है. भारतीय रेल वित्त निगम या विद्युत वित्त निगम अपने संबंधित संप्रभु समर्थन के कारण बाजार से बहुत कम ब्याज दर पर रकम जुटाने में सक्षम हैं. इस सत्य के बावजूद कि रेलवे या विद्युत संस्थान घाटे में जा रहे हैं, इन दोनों के लिए इस तरह कम कीमत पर धन जुटाना संभव है. केंद्र द्वारा राज्यों की तरफ से कोविड से संबंधित राजकोषीय धन जुटाने के पीछे भी यही तर्क लागू होता है. तीसरा कारण, राज्यों द्वारा व्यक्तिगत तौर पर उधार लेने पर भी, राष्ट्रीय योगफल में समग्र ऋण की आवश्यकता में कोई अंतर नहीं आयेगा. योगफल में यह समान ही होगा, भले ही केंद्र ने स्वयं कर्ज लिया हो या केंद्र और राज्य द्वारा ऐसा अनेक बार किया गया हो. आप ऋण बाजार या देश को रेटिंग देनेवाले विश्लेषकों को मूर्ख नहीं बना सकते. इसलिए इसे केंद्र की तरफ से कम कीमत पर लेना और राज्यों को इसका लाभ देना ज्यादा सही है. चौथा और संभवतः सबसे महत्वपूर्ण कारण, यह आपदा ईश्वर का कृत्य है या नहीं, इसके लिए केंद्र एक लिखित और संहिताबद्ध वादे से इंकार नहीं कर सकती है. हम सब एक साथ इस महामारी को झेल रहे हैं. हम सब सहकारी संघवाद के लिए विश्वास और ठोस आधार बनाने की कोशिश में हैं. जीएसटी स्वायत्तता कम करती है, लेकिन यह हमें देशभर में एकीकृत सामान्य आर्थिक बाजार उपलब्ध कराती है. राज्यों और केंद्र को देश के विकास के लिए एक सामान्य दृष्टिकोण अपनाना होगा. संतुलित विकास के लिए राज्य और केंद्र के बीच अधिक सहयोग और लेन-देन की जरूरत होगी. यही समय है, जब संघीय आस्था और विश्वास की परख होगी. केंद्र को पूरा राजकोषीय बोझ उठाना चाहिए. राज्यों की तुलना में केंद्र के पास वित्तीय संसाधन (जैसे आरबीआइ से पीएसयू शेयर के विरुद्ध ऋण लेना या विदेशों से कर्ज लेना या कोविड बॉन्ड) जुटाने के अनेक विकल्प हैं. यह कहते हुए कि यह महामारी 'ईश्वर का कृत्य है', जीएसटी दायित्व के वादे को नहीं तोड़ना चाहिए।

सम्पादकीय

बिहार में सभी दलों की प्रतिष्ठा दांव पर

मुख्य चुनाव आयुक्त की घोषणा के बाद यह तय है कि नवंबर माह में बिहार चुनाव होंगे और सुप्रीम कोर्ट ने दायर याचिका को खारिज करते हुए चुनावी प्रक्रिया को जारी रखने का समर्थन किया है. मुख्य मुकाबला एनडीए और गठबंधन के बीच होगा. प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा कई अवसरों पर घोषणा कर चुके हैं कि एनडीए का नेतृत्व नीतीश कुमार करेंगे. गठबंधन में अभी सहमति बनना बाकी है, लेकिन मोटे तौर पर तेजस्वी यादव उनके संभावित उम्मीदवार होंगे. कोरोना संक्रमण काल में हो रहे चुनाव में सभी तैयारियों में कटौती होगी. बिहार चुनाव आयोग का सुझाव भी केंद्रीय चुनाव आयोग ने स्वीकार कर लिया है कि पांच के बजाय यह चुनाव एक या दो चरणों में संपन्न कराया जाये. दिशा-निर्देशों के अनुसार, नामांकन ऑनलाइन होंगे. डाक मतपत्रों की सुविधा अब दिव्यांगों, 80 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों और जरूरी सेवाओं से जुड़े मतदाताओं के लिए भी होगी. कोरोना पॉजिटिव और कोरोना संदिग्धों को भी डाक द्वारा मतदान की सुविधा होगी. मतदाताओं के लिए सैनिटाइजर, मास्क और दस्तानों का इंतजाम चुनाव आयोग करेगा. चुनाव अधिकारियों के लिए पीपीइ किट का प्रावधान है. घर-घर जनसंपर्क में पांच लोगों के लिए ही अनुमति होगी. मानकों को पूरा करने पर रैली या रोड शो जैसे आयोजनों की अनुमति होगी. जनसभाओं में कितने लोग आयेंगे, इसकी भी संख्या पूर्व में तय होगी. मतदाता का तापमान अधिक पाया गया, तो उसे अंत में मतदान के लिए बुलाया जायेगा. वोटों की गिनती के दिन एक हॉल में अधिकतम सात टेबल लग सकेंगे. सुशील मोदी का वक्तव्य महत्वपूर्ण है कि बिहार में अपने बलबूते कोई दल सरकार बनाने की स्थिति में नहीं है. राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा सत्तारूढ़ है, लेकिन विगत दिनों विधानसभा चुनाव के परिणाम अपे क्षा के अनुरूप नहीं रहे. अगले वर्ष पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु समेत कई राज्यों में पार्टी की परीक्षा होनी है, लिहाजा बिहार चुनाव में गठबंधन के जीतने पर भाजपा को आनेवाले समय में मनोवैज्ञानिक लाभ भी होगा. पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक, ओडिशा, झारखंड, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के नतीजे भाजपा के पक्ष में नहीं थे. हालांकि, कांग्रेस की अकर्मण्यता और आंतरिक विवाद के कारण कर्नाटक और मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार बनाने में सफल रही. जनता दल (यू) गठबंधन का महत्वपूर्ण अंग है और नेतृत्व का भार भी उसी के कंधों पर है. चुनाव का नारा है कि पिछले 15 साल बनाम हमारे 15 साल. यह जीत पार्टी नेतृत्व के बढ़े कद में और इजाफा करेगी और देशभर में पार्टी के फैलाव में भी मददगार होगी. यह चुनाव आरजेडी और तेजस्वी यादव दोनों के राजनैतिक अस्तित्व के लिए है. पराजय के साथ ही पारिवारिक कलह में इजाफा होगा. पार्टी में असंतोष उग्र हो सकता है. आधा दर्जन से अधिक विधायक बगावत कर जेडी(यू) में शामिल हो चुके हैं. पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी भी एनडीए को ही भविष्य का सत्तारूढ़ दल स्वीकार कर चुके हैं. बिहार को 2005 में दो बार चुनाव का सामना करना पड़ा. फरवरी के चुनाव में किसी को बहुमत नहीं था. दिल्ली में यूपीए की सरकार थी, जो किसी भी कीमत पर एनडीए को सत्तारूढ़ होने से रोके हुए थी. एलजेपी की फूट और निर्दलियों के समर्थन से एनडीए ने बहुमत प्राप्त कर लिया. दिल्ली में 150 से अधिक विधायकों ने आडवाणी और नीतीश के नेतृत्व में राष्ट्रपति के सामने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी, लेकिन राज्यपाल बूटा सिंह द्वारा विधानसभा भंग किये जाने से सारे समीकरण बदल गये. सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसले में कहा कि नीतीश कुमार को एक अवसर देना चाहिए था. कुछ सख्त टिप्पणी राज्यपाल के विरुद्ध भी की गयी, जिससे उन्हें त्यागपत्र देना पड़ा. समाचारपत्रों की तल्ख टिप्पणियों से क्षुब्ध होकर राष्ट्रपति अब्दुल कलाम भी त्यागपत्र का मन बना चुके थे, प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह स्वयं राष्ट्रपति भवन जाकर कलाम साहब को देर तक आग्रह कर बमुश्किल त्यागपत्र देने से रोक पाये. नवंबर में मध्यावधि चुनाव की तिथि घोषित हो चुकी थी, लेकिन एनडीए के नेता की घोषणा नहीं हो पायी. मतदान में प्रतीत हुआ कि चुनाव निर्णायक दौर में प्रवेश नहीं कर पा रहा है. जद(यू) और भाजपा के नेताओं में सामंजस्य की भी कमी थी. इसी बीच आडवाणी द्वारा की गयी घोषणा ने राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया. रांची में उन्होंने नीतीश कुमार को अग्रिम मुख्यमंत्री के रूप में चिह्नित किया. इस चुनाव में जद(यू) 88, भाजपा 55 और आरजेडी 54 सीटों पर विजयी रही. आगामी पांच वर्षों में गठबंधन की सरकार ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को देश का सबसे सफल मुख्यमंत्री साबित किया. चुनाव का बिगुल बज चुका है. गृहमंत्री अमित शाह द्वारा संबोधित वर्चुअल रैली ने इसकी शुरुआत की है. जनता दल (यू) द्वारा आयोजित 7 सितंबर की रैली में नीतीश कुमार भी पार्टी और गठबंधन का एजेंडा घोषित कर चुके हैं. यद्यपि अन्य चुनावों की तरह इस बार धूमधाम, ढोल-ढपली, जनसभाओं आदि की अनुपस्थिति अवश्य खलेगी।

निगेटिव जीडीपी से मोदी कैसे बनायेंगे आत्मनिर्भर भारत?

नोटबंदी के झटकों से देश उबरा भी नहीं था और कोरोना की मार ने देश की अर्थव्यवस्था को झकझोर कर रख दिया है। देश में चौतरफा बेरोजगारी का आलम है। जीडीपी, विकासदर, रोजगार, बाजार में मांग, निवेश आदि बुनियादी मसले अब देश की आम जनता को बुरी तरह से घेरने एवं परेशान करने लगे हैं। कोरोना की मार और नोटबंदी की वजह से देश का मध्यमवर्ग कम से कम दस साल पीछे चला गया है। चंद अमीरों एवं उद्योगपतियों को छोड़कर शेष की हालत बहुत अच्छी नहीं रह गई है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगधंधे अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। खुदरा कारोबार और व्यवसाय बाजार में मांग के अभाव तथा चंद कारोबारी घरानों के एकाधिकार के कारण तबाह हो गया है। देश का युवावर्ग हताश, निराश, चिंतित और बेचौन है, क्योंकि अब उनके बेहतर एवं उज्जवल भविष्य की उम्मीदें टूटती नज़र आ रही है। युवापीढ़ी में आज बेकारी, बेबसी, लाचारी का आलम इस कदर हावी है कि देश का बहुसंख्यक युवावर्ग लगातार तनाव एवं अवसाद में जी रहा है। इसके बावजूद सरकार के झूठे दावे, अहंकार एवं नासमझी ने देश के सामने सवाल खड़ा तो किया है कि क्या सचमुच अर्थव्यवस्था की हालत बहुत खराब नहीं है ? जैसा कि सरकार दावा कर रही है। जीडीपी, विकासदर, रोजगार, बाजार में मांग, निवेश आदि बुनियादी मसले सरकार को परेशान क्यों नहीं कर रहे हैं? अप्रैल से जून 2020 की तिमाही में देश का सकल घरेलू उत्पाद जो जीडीपी के नाम से जाना जाता है, 24 प्रतिशत नीचे चला गया है, या कहें कि इस तिमाही में देश की जीडीपी में 24 प्रतिशत की कमी आई है। इसका सीधा मतलब यह है कि आने वाले समय में देश में रोजगार के अवसर और कम होंगे, घटेंगे। लोगों की प्रतिव्यक्ति आय या आमदनी कम होगी, घटेगी। देश में बेरोजगारी और बढ़ेगी। इसका सीधा प्रभाव यह होगा कि बाजार में मांग और कम होगी। उत्पादन और घटेगा, उत्पादकों का मुनाफा घटेगा इससे निवेश घटेगा, इसके कारण रोजगार के अवसर और कम होंगे। बेरोजगारी और बढ़ेगी यानि अर्थव्यवस्था की स्थिति और खराब होगी। मतलब साफ है कि आने वाले दिनों में कई तिमाहियों तक यह समस्या या संकट जारी रहने वाली है। दरअसल अर्थव्यवस्था में यह प्रक्रिया एक चक्र के रूप में काम करता है, और देश की सारी चीजों को प्रभावित करता रहता है। इससे समूचा जनमानस प्रभावित होता है। लोगों की प्रतिव्यक्ति आय या आमदनी कम होने, घटने से लोगों का रहन-सहन, खान-पान, जीवनस्तर, उनकी जीवन की गुणात्मकता प्रभावित होती है। जीडीपी की इस ऋणात्मक बढ़ोतरी या जीडीपी में आई भारी कमी को लेकर इस समय देश में जो बवाल मचा हुआ है, उस पर संवाद होना स्वाभाविक है, लेकिन जीडीपी के आंकड़ों को लेकर सरकार की बेफिक्री अधिक चिंता एवं दुर्भाग्य की बात है। जीडीपी के आंकड़े जारी हुए पूरे एक सप्ताह से अधिक हो चुके हैं, परंतु प्रधानमंत्री की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आना बताता है कि अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर सरकार कितनी गंभीर है? इससे यह भी पता चलता है कि सरकार को देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य को लेकर कितनी चिंता है? क्योंकि जीडीपी का सीधा और प्रत्यक्ष संबंध सबसे पहले रोजगार एवं आजीविका से होता है। जीडीपी का सीधा और प्रत्यक्ष संबंध युवाओं के भविष्य एवं कैरियर से होता है। जीडीपी का सीधा और प्रत्यक्ष संबंध जनमानस के जीवनस्तर की गुणात्मकता से होता है। आजकल जीडीपी को लेकर लोगों में जागरूकता मीडिया के कारण कुछ अधिक दिखती है, लेकिन यहां जीडीपी को लेकर सतही जानकारी ही परोसी जाती है। जीडीपी के असल मुद्दों को या तो जानबूझकर छोड़ दिया जाता है या जीडीपी के असली तथ्यात्मक मसलों को लेकर जनमानस को गुमराह किया जाता रहता है। वास्तव में जीडीपी का संबंध केवल रोजगार, विकासदर, बाजार की मांग, निवेश जैसे आर्थिक मुद्दों भर से ही नहीं होता है, बल्कि इसका प्रत्यक्ष संबंध देश के सामाजिक विकास और वहां की जनमानस की वास्तविक खुशहाली, सम्पन्नता, संवृद्धि, तरक्की, प्रगति से होती है। सकल घरेलू उत्पाद यानि जीडीपी किसी देश की अर्थव्यवस्था के विशेषकर आर्थिक प्रदर्शन का एक बुनियाद माप, मापदंड या पैमाना होता है। प्रमुख रूप से किसी देश की भौगोलिक सीमाओं के भीतर एक वर्ष में उत्पादित अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं के बाजार मूल्य को सकल घरेलू उत्पाद यानि जीडीपी कहा जाता है। इसके अंतर्गत उस अवधि के आयात-निर्यात समायोजित होते हैं। इसी से देश की विकासदर का अंदाजा या अनुमान लगाया जाता है कि आने वाले दिनों में अर्थव्यवस्था की सेहत किस तरह रहने वाली है? रोजगार की स्थिति कैसी रहने वाली है? बाजार की हालत कैसी रहने वाली है? विकास दर कैसी रहने वाली है? हमारी जीडीपी का मसला इस समय इसलिए अधिक चर्चा में है, क्योंकि इस समय यह दुनिया में सर्वाधिक गिरावट ऋणात्मक 24 प्रतिशत के साथ देश की पिछली 40 साल की सबसे बड़ी गिरावट है। इसका मतलब है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में आर्थिक मंदी की छाया है, लेकिन ताज्जुब की बात यह है कि सरकार इसे मानने को तैयार ही नहीं है। पिछले कुछेक सालों में भारत ने आर्थिक मोर्चे पर उल्लेखनीय प्रगति हासिल की थी। आर्थिक क्षेत्र में देश के लोगों की प्रतिव्यक्ति आमदनी इस समय भले ही औसत रूप से दो हजार डॉलर या लगभग डेढ़ लाख रुपये वार्षिक अथवा लगभग 12-13 हजार रुपये मासिक है, लेकिन क्रय शक्ति समता के आधार पर देश के लोगों की प्रतिव्यक्ति आमदनी आज 8-10 हजार डॉलर या लगभग 6-8 लाख रुपये वार्षिक अथवा लगभग 50-65 हजार रुपये मासिक तक पहुंच चुकी थी। भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी, शक्तिशाली अर्थव्यवस्था बन चुकी है, लेकिन इस तरह जीडीपी के गिरने, घटने से इस पर बुरा प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। यदि आने वाले समय में लगातार चार-पांच तिमाहियों तक इसी तरह से जीडीपी के गिरने, घटने का सिलसिला जारी रहा तो स्थिति गंभीर हो सकती है। वैसे किसी देश के लिए 73 साल का वक्त तरक्की, प्रगति, उन्नति के हिसाब से बहुत अधिक नहीं माना जाता है, लेकिन जब वह देश अर्थव्यवस्थाओं के आकार, क्षमता एवं संभावनाओं की दृष्टि से दुनिया का 5वां बड़ा देश हो तो उम्मीदें तो अवश्य ही बढ़ ही जाती हैं। लेकिन अब विकासदर के कम होने से इस पर खराब असर पड़ने की संभावना बढ़ती दिख रही है। सरकार से सवाल-जवाब क्यों नहीं हो कि इतने सालों में इतनी संभावनाओं के बावजूद आमजन की आकांक्षाएं पूरी क्यों नहीं हो रही हैं? देश के साधनों, संसाधनों का इस्तेमाल कहां, कैसे हो रहा है? ये सवाल तो आमजन को पूछना ही चाहिए। यदि जनमानस से यह सवाल ही नहीं उठ रहा है तो भी उसके लिए क्या, कौन जिम्मेदार है? यह भी एक स्वाभाविक सवाल बनता है। पिछले दशक की दुनिया की सबसे अधिक वास्तविक विकासदर वाली अर्थव्यवस्था इतनी पिछड़ने क्यों लगी है? सभी तरह के प्राकृतिक एवं मानवीय साधनों एवं संसाधनों की प्रचुरता वाली अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन इतनी तेजी से गिरने क्यों लगा है? क्या इसके लिए सरकार की गलत नीतियां, योजनाएं एवं कार्यक्रम जिम्मेदार हैं? क्या सरकार के समक्ष आर्थिक सोच, समझ एवं दृष्टिकोण वाली स्पष्ट नीतियों का अभाव है? या सरकार का अड़ियल रवैया इसके लिए जिम्मेदार है?असल आर्थिक मुद्दों से आम जनमानस का ध्यान हटाने के निरर्थक एवं फिजूल के मसलों को मीडिया में परोसकर सरकार न सिर्फ अर्थव्यवस्था के साथ खिलवाड़ कर रही है, बल्कि देश के 138 करोड़ आम जनमानस के सपनों, के साथ भी खेल रही है।

भाजपा नहीं शिवसेना कंगना की ज्यादा हितैषी

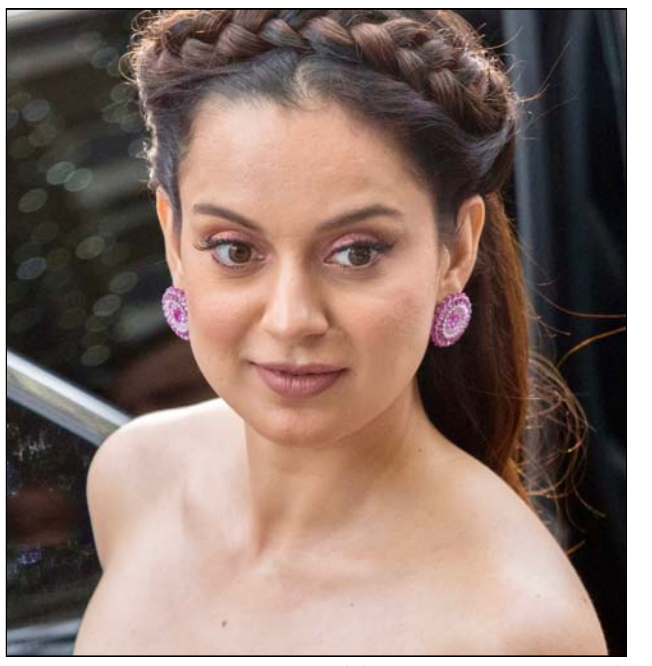

देश के सबसे ज्यादा अनुभवी राजनेता शरद पवार ने बीएमसी द्वारा डिमॉलिशन का कदम गलत और कंगना रनौत के मकसद को पूरा करना बताया है। महाराष्ट्र सरकार के सहयोगी एनसीपी सुप्रीमों पवार अपने इस ख्याल के साथ शिवसेना पर नाराज हुए। केंद्र सरकार द्वारा वाई प्लस सुरक्षा ने कंगना का मात्र स्टेटस सिम्बल बढ़ाया है, भाजपा का खासम-खास साबित किया है। इससे कहीं अधिक लाभ कंगना को महाराष्ट्र सरकार ने पंहुचाया है। शिवसेना सरकार के इशारे पर बीएमसी द्वारा घर के छज्जे को ढाहने के एक्शन से कंगना को करोड़ों लोगों की हमदर्दी मिली। यही वो चाहती थीं। बकौल शरद पवार के महाराष्ट्र सरकार ने अवैध निर्माण के कुछ अंश पर बुलडोजर चलाकर कंगना की दिली मुराद पूरी कर खूब पब्लिसिटी और जनता की हमदर्दी की सौगात दे दी। तरह-तरह की चर्चाओं में तमाम लोग कंगना को वीरांगना कह रहे हैं, तो कुछ लोग ऐसे भी हैं जो उनपर ड्रग एडिक्ट होने का आरोप भी लगा रहे हैं। एक वीडियो में वो खुद भी कह रही हैं कि वो ड्रग एडिक्ट रही हैं। ये बात सही है या गलत वो अलग विषय है किंतु ये बात तय है कि कंगना को नशे की लत हो या ना हो पर उसे पब्लिसिटी की लत हमेशां रही है। अच्छे अभिनय से ही नहीं इस अभिनेत्री का आस्तित विवादित बयानों से भी जुड़ा है। यहां शिवसेना से उनके बखेड़ा का सिलसिला भी तब शुरू हुआ जब उन्होंने महाराष्ट्र को पाक अधिकृत कश्मीर कहा। इसके बाद पलटवार में शिवसेना के एक नेता ने उन्हें अपशब्द कहने की गलत बयानी की। समय-समय पर विवादों के शगूफे छोड़कर सुर्खियों में रहने वाली इस अभिनेत्री का फिल्मी कैरियर काफी ढलान पर था। वो इधर कुछ वर्षों से भाजपा के एजेंडे के लिए काम करके सरकार के करीब होने की लगातार कोशिशें करती रहीं। फिल्म इंडस्ट्री के तौर-तरीकों पर उन्होंने कई बार हमले किये। जायज सवाल भी उठाये।

इंडस्ट्री में खेमेबाजी का माहौल पैदा करने की भी कोशिश की। लेकिन बड़ी सफलता उन्हें सुशांत प्रकरण में मिली। सुशांत की मौत को उन्होंने बालीवुड मे पनपते भाई-भतीजवाद और ड्रग के धंधे से जोड़ा। कंगना के ये मुद्दे जायज और प्रक्टिकल हैं। वो किसी फिल्मी घराने से नहीं थीं। छोटे शहर से आकर मुंबई में स्ट्रगल कर अपवाद स्वरूप उन्होंने फिल्मी दुनिया में बड़ी पहचान बनाई। इस दौरान वो खुद भी ड्रग की जानलेवा खाई में गिर गयीं। कंगना का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वो खुद कह रहीं हैं कि वो ड्रग्स एडिक्ट रही हैं। यानी वो प्रतिबंधित नशे के गलत रास्ते पर थीं। उनका फिल्मी कैरियर इधर कमजोर पड़ चुका था। अभिनेता सुशांत की मौत पर शक की सूई सामने लाकर वो सुर्खियों में आयीं। इस पहलू पर उनके तमाम मुद्दों में एक ड्रग्स वाला मुद्दा काफी सशक्त था, जो धीरे-धीरे सही साबित भी हो रहा है। अब लगने लगा है कि सुशांत मामले में ड्रग एक बड़ी वजह थी। लेकिन अब जब कंगना का ड्रग वाला मुद्दा सही साबित हो रहा है तो वो खुद इस मुद्दे को भटका रहीं हैं और सियासी नफा-नुकसान में समर्थन और विरोध की एक्सरसाइज में ऊर्जा लगाती दिख रही हैं। शिवसेना ये आरोप भी लगा रही हैं कि कंगना रनौत भाजपा की स्क्रिप्ट और डायरेक्शन पर महाराष्ट्र को बदनाम करने का काम कर रही हैं। ये आरोप कितना सही है और कितना गलत है ये अलग बात है लेकिन होना ये चाहिए है कि कंगना खुद ड्रग एडिक्ट रेकिट की निशानदेही कराकर एजेंसी का सहयोग करें। और मुंबई में बड़े ड्रग कारोबार के खिलाफ अभियान चलाने का योगदान दें। भले ही उन्होंने अवैध निर्माण किया हो पर उनके अवैध घर को तोड़ने के बजाय वहां नशा मुक्ति केंद्र बनाया जाया। ये मांग करें। ऐसे लोगों सामने लायें जो उनकी ड्रग छोड़ चुके हैं और उनकी तरह ड्रग के खिलाफ लड़ाई में सरकारी एजेंसियों का सहयोग कर सकते है। ऐसे तमाम लोगों को भी केंद्र सरकार द्वारा सुरक्षा दिलाने की सिफारिश करें। ताकि ऐसे लोगों को ताकतवर ड्रग माफियाओं से जान का खतरा ना हो। कंगना ने जिस तरह अयोध्या राम मंदिर और कश्मीर पर फिल्म बनाने की घोषणा की है इसी तरह उन्हें बॉलीवुड में ड्रग्स के धंधे के खिलाफ फिल्म बनाने की घोषणा करनी चाहिए है।

स्कूलों में सावधानी

रोना महामारी की वजह से चार महीने से अधिक समय से बंद रहने के बाद अब स्कूलों के खुलने की गुंजाइश दिख रही है. केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अनलॉक के चौथे चरण में स्कूल खोलने की इजाजत दे दी है, लेकिन यह स्वैच्छिक होगा यानी आखिरी फैसला संस्थानों को करना है. यदि विद्यालय खुलते हैं, तो उन्हें निर्धारित निर्देशों का पालन करना होगा. इस महीने की 21 तारीख से नौवीं से 12वीं कक्षाओं के विद्यार्थी स्कूल जा सकेंगे. छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को कम से कम छह फुट की शारीरिक दूरी रखनी होगी तथा मास्क पहना जरूरी होगा. इसके अलावा समय-समय पर हाथ धोना सुनिश्चित करने के साथ छींकते व खांसते हुए मुंह ढंकना होगा तथा इधर-उधर थूकने की सख्त मनाही होगी. आरोग्य सेतु के उपयोग को प्रोत्साहित किया जायेगा ताकि संपर्कों की निगरानी की जा सके चूंकि अभी भी बड़ी संख्या में कोरोना संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं, इसलिए ऑनलाइन पढ़ाई और घर में सीखने की प्रक्रिया पहले की तरह जारी रहेगी. शिक्षकों के निर्देश के मुताबिक और अपनी इच्छा से ही बच्चे स्कूल आयेंगे. इसके लिए अभिभावकों की सहमति भी जरूरी है. इसका मतलब यह है कि स्कूल तो खुलेंगे, लेकिन बच्चों का आना अनिवार्य नहीं होगा. निर्देशों में स्कूलों के परिसर और आसपास के इलाकों के सैनिटाइजेशन का भी प्रावधान है. अनलॉक के अब तक के चरणों से जीवन धीरे-धीरे पटरी पर आ रहा है. ऐसे में शैक्षणिक गतिविधियों को सामान्य बनाने की कोशिश भी जरूरी है, लेकिन यह एकबारगी करना ठीक नहीं है. इसलिए स्वेच्छा का प्रावधान सराहनीय है. बीते महीनों में सुरक्षा की हिदायतों के पालन की आदत बच्चों को भी हो गयी है और नौवीं से 12वीं के छात्र-छात्राएं स्थिति की गंभीरता को अच्छी तरह समझते हैं. छोटे बच्चों की अपेक्षा उनसे अधिक सावधानी बरतने की उम्मीद की जा सकती है. शिक्षकों और अभिभावकों के लिए उन्हें समझाना आसान भी है तथा वे अपने स्वास्थ्य की स्थिति पर भी नजर रख सकते हैं. लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि माता-पिता, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की जिम्मेदारी कम हो जाती है. उन्हें अधिक सतर्कता से निर्देशों का पालन कराना होगा और किसी भी तरह की चूक या लापरवाही को रोकने के लिए मुस्तैद रहना होगा. मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि लॉकडाउन का असर शिक्षा पर तो पड़ा ही है, इससे बच्चों की मानसिक स्थिति भी प्रभावित हुई है क्योंकि स्कूली गतिविधियों और दोस्तों से उनकी दूरी बन गयी है।

सार समाचार ....

मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कप्तान के रूप में सौरभ गांगुली को तैयार किया- पूर्व पाकिस्तानी कप्तान राशिद लतीफ

नई दिल्ली एजेंसी। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले पूर्व कप्तान रूस धोनी की तारीफ करते हुए लतीफ ने 90 के दशक में अजहरुद्दीन द्वारा विकसित किए गए कल्चर के बारे में बात की। यूट्यूब चैनल कॉट बिहाइंड में कहा, मैं मोहम्मद अजहरुद्दीन की बहुत इज्जत करता हूं। उन्होंने भारतीय क्रिकेट की काफी लंबे समय तक सेवा किया और फिर सौरभ गांगुली जैसे कप्तान के लिए विरासत छोड़ी। सौरभ गांगुली को कप्तान के रूप में तैयार करने में अजहर की बड़ी भूमिका थी। सचिन तेंडुलकर और राहुल द्रविड़ जैसे महान खिलाड़ी सौरभ गांगुली की कप्तानी में खेले। गांगुली ने अपना वनडे डेब्यू 1992 में और टेस्ट डेब्यू 1996 में किया। दोनों ही मौकों पर अजहरुद्दीन ही भारतीय टीम के कप्तान थे। गांगुली ने अजहर की कप्तानी में 12 टेस्ट और 53 वनडे इंटरनैशनल मैच खेले। पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज लतीफ ने कहा कि धोनी की कप्तानी में गांगुली और अजहर दोनों की कप्तानी के गुण मौजूद थे। लतीफ ने कहा कि गांगुली को कप्तान के रूप में तैयार करने काफी क्रेडिट अजहरुद्दीन को मिलना चाहिए। वहीं धोनी के करियर को तैयार में गांगुली ने अहम किरदार निभाया। लतीफ ने कहा, मोहम्मद अजहरुद्दीन ने गांगुली को तैयार किया और धोनी ने अजहरुद्दीन और गांगुली की खूबियां लेकर आधुनिक क्रिकेट के अनुसार अपना स्टाइल तैयार किया। उन्हें अपनी टीम के मैच जीतने की खूबी में यकीन था। धोनी ने टीम में जीत की मानसिकता पैदा की।धोनी की कप्तानी के बारे में बात करते हुए लतीफ ने कहा कि धोनी एक लीडर थे। उन्होंने युवा क्रिकेटरों का समर्थन किया और उनमें आत्मविश्वास भरा। लतीफ ने कहा, धोनी ने तीन वर्ल्ड कप खिताब जीते। कोई दूसरा कप्तान ऐसा नहीं कर पाया है। धोनी जैसे कप्तान रिस्क लेते हैं और अपनी टीम को आगे ले जाते हैं। धोनी ने युवा खिलाड़ियों को बढ़ावा दिया। उसने क्रिकेटरों को अपने चरित्र के हिसाब से ढाला। इस तरह के कप्तान अपने खिलाड़ियों में आत्म-विश्वास भरते हैं।

महिला आईपीएल युवा क्रिकेटरों के लिए बड़ी उपलब्धि होगी, इस अनुभवी खिलाड़ी ने दी राय

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान और एकदिवसीय क्रिकेट में दुनिया में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने कहा है कि महिला आईपीएल देश की युवा क्रिकेटरों के लिए बड़ी उपलब्धि होगी और इससे उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। झूलन ने स्पोर्ट्स टाइगर के शो 'ऑफ-द-फील्ड' के साथ बातचीत में महिला आईपीएल के बारे में आशावादी लहजे में कहा कि जहां तक आईपीएल का सवाल है, हम चाहते हैं कि इस टूर्नामेंट की शुरुआत हो और हम सभी इसकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। महिला आईपीएल देश के लिए और युवा महिला क्रिकेटरों के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी क्योंकि वे भारतीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करेंगी। 37 वर्ष की हो चुकी भारतीय तेज गेंदबाज झूलन ने इस कार्यक्रम में अपने जीवन पर बातचीत की और 2017 आईसीसी महिला विश्व कप, महिला आईपीएल तथा उन पर आने वाली आगामी फिल्म पर भी चर्चा की। झूलन एकदिवसीय मैचों में 3.28 के इकॉनमी दर से 225 विकेट ले चुकी हैं और वह मानती हैं कि उम्र केवल एक संख्या है, सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण खेल के प्रति जुनून है। झूलन ने कहा कि एक पेशेवर एथलीट के रूप में आप उम्र के बारे में कभी नहीं सोचते। आप बस अपने जुनून, कड़ी मेहनत और खेल के प्रति प्यार को अपने ध्यान में रखते हैं। आप बस जितना संभव हो उतना समय मैदान पर बिताना चाहते हैं और यह किसी भी एथलीट के लिए सबसे संतुष्टि भरा होता है और मैं खुद खेल का पूरी तरह आनंद ले रही हूं।

भारत 2017 में आईसीसी महिला विश्व कप के फाइनल में पहुंचा था और झूलन टीम की एक प्रमुख सदस्य थीं। भारत इससे पहले खिताब के इतना नजदीक कभी नहीं पहुंचा था और यहां भी भारतीय टीम पास पहुंच कर भी दूर रह गई, क्योंकि भारत केवल 9 रन से हार गया था।

उन्हें विश्व कप नहीं जीत पाने का काफी अफसोस था और उन्होंने उस विश्व कप को याद करते हुए कहा कि लॉर्ड्स के मैदान पर विश्व कप फाइनल खेलना बहुत बड़ी उपलब्धि थी, हमने विश्व कप की काफी अच्छी शुरुआत की थी और शुरू से ही टीम ने बेहतर प्रयास किए थे। चाहे आप स्मृति मंधाना, मिताली राज, एकता बिष्ट, दीप्ति शर्मा, शिखा पांडे या राजेश्वरी गायकवाड के बारे में बात करें, सभी ने बेहतरीन योगदान दिया था।

एक टीम के रूप में हमने जज्बा दिखाया और शानदार प्रदर्शन किया।

झूलन ने कहा, कि हम फाइनल में पहुंच गए थे, लेकिन अंतिम 10 ओवरों में हम मैच हार गए।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ ने कहा विराट इस वक्त वनडे के सबसे बेहतर बल्लेबाज

न्यूयॉर्क | एजेंसी।

विराट कोहली और स्टीव स्मिथ मैदान पर एक दूसरे के कड़े कॉम्पिटिटर हैं। इसके बावजूद दोनों एकदूसरे की बहुत कद्र करते हैं। उनकी नजर में कोहली इस वक्त दुनिया के बेस्ट वनडे बल्लेबाज हैं। उन्होंने केएल राहुल को टैलेंटेड खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वे भविष्य में टीम इंडिया के लिए अहम खिलाड़ी साबित होंगे। स्मिथ ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ हुए सवाल-जवाब सेशन में यह बातें कहीं। 31 साल के इस ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज से एक फैन ने सवाल पूछा कि इस वक्त दुनिया में वनडे का बेस्ट बल्लेबाज कौन है। इसका जवाब देते हुए उन्होंने टीम इंडिया के कप्तान कोहली को मौजूदा दौर में वनडे का बेस्ट बल्लेबाज बताया। विराट के आंकड़े भी इसी तरफ इशारा करते हैं। विराट वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-10 बल्लेबाजों की फेहरिस्त में छठे नंबर पर हैं। उन्होंने 248 मैच में 11867 रन बनाए हैं। इस मामले में सचिन तेंदुलकर सबसे आगे हैं। उनके 463 मैच में 18426 रन हैं।

विराट के वनडे में 43 शतक

इस लिस्ट में कुमार संगकारा (14234), रिकी पोंटिंग (13704), सनथ जयसूर्या (13430) रन के साथ दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। हालांकि, कोहली एक्टिव क्रिकेटर्स में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। कोहली अब तक वनडे में 43 शतक लगा चुके हैं और सचिन के सबसे ज्यादा 50 शतकों से सिर्फ 7 शतक पीछे हैं।

विराट के 43 शतकों के मुकाबले स्मिथ के 9 शतक

स्टीव स्मिथ वनडे में कोहली से बहुत पीछे हैं। स्मिथ ने अब तक 125 मैच में 42.46 की औसत से 4162 रन बनाए हैं। वहीं, शतक बनाने के मामले में भी वे विराट के आस-पास भी नहीं हैं। विराट के 43 शतकों के मुकाबले स्मिथ ने इस फॉर्मेट में 9 शतक लगाए हैं।

विराट ने एक साल में स्मिथ से ज्यादा की औसत से रन बनाए

विराट ने पिछले एक साल में टेस्ट, वनडे और टी-20 मिलाकर कुल 28 मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 52.62 की औसत से 1263 रन बनाए। इस दौरान विराट ने 2 शतक लगाए हैं। जबकि इसी दौरान स्मिथ ने तीनों फॉर्मेट में 25 मैच में 47.14 की औसत से 990 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने सिर्फ एक शतक लगाया।

केएल राहुल भविष्य में टीम इंडिया के लिए अहम खिलाड़ी साबित होंगेः स्मिथ

फैंस से सवाल-जवाब के इसी सेशन के दौरान स्मिथ ने दो और भारतीय बल्लेबाजों की तारीफ की। उन्होंने किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान केएल राहुल और संजू सैमसन को भी टैलेंटेड खिलाड़ी बताया। स्मिथ ने कहा कि राहुल का खेलने का अंदाज बहद खास है। वे भविष्य में टीम इंडिया के लिए अहम खिलाड़ी साबित होंगे। राहुल ने अब तक 32 वनडे और 36 टेस्ट खेले हैं। इसमें उन्होंने 1239 और 2006 रन बनाए हैं।

वे दोनों फॉर्मेट में कुल 9 शतक लगा चुके हैं।

बाबर को लुढ़का मलान नंबर वन, आईसीसी की टी-20 रैंकिंग में इंग्लैंड के बल्लेबाज की बल्ले-बल्ले

दुबई एजेंसी। इंग्लैंड के बल्लेबाज डेविड मालन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के बाद टी-20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की आईसीसी रैंकिंग में पाकिस्तान के बाबर आजम को हटाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। तैंतीस साल के इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने श्रृंखला में कुल 129 रन जोड़कर चार पायदान की छलांग लगाई। उन्होंने पहले मैच में 66 रन बनाए थे और 'मैन ऑफ दि मैच' बने थे।

इंग्लैंड ने यह श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की। मलान की पिछली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पिछले साल नवंबर में दूसरा स्थान थी और अब वह आजम से आठ रेटिंग अंक ऊपर हैं। कोविड-19 महामारी के कारण छह महीने से ज्यादा समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलने वाले भारत के केएल राहुल को हालांकि दो पायदान का नुकसान हुआ, जिससे वह चौथे स्थान पर खिसक गए, लेकिन कप्तान विराट कोहली एक पायदान के फायदे से नौवें स्थान पर पहुंच गए। मलान के साथी जॉनी बेयरस्टो और जोस बटलर को बुधवार को जारी रैंकिंग में फायदा हुआ।

बेयरस्टो तीन पायदान के फायदे से करियर के सर्वश्रेष्ठ 19वें स्थान पर पहुंचे, उन्होंने श्रृंखला में कुल 72 रन बनाए थे। बटलर 40वें से 28वें स्थान पर पहुंच गए, जिन्होंने दो मैचों में 121 रन बनाए, जिसकी बदौलत वह 'प्लेयर ऑफ दि सीरीज' भी बने। आस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच श्रृंखला में 125 रन जुटाने से तीसरे स्थान पर बरकरार हैं। ग्लेन मैक्सवेल भी छठे स्थान पर कायम हैं, लेकिन वह एक पायदान के फायदे से अफगानिस्तान के नबी की अगवाई वाली आलराउंडर रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

कोहली के करीब भी नहीं हूं

साउथंपटन। इंग्लैंड के बल्लेबाज डेविड मलान की टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट लगभग 50 के औसत से रन बनाने के बावजूद टीम में जगह पक्की नहीं है और उन्होंने कहा कि जब वह कम से कम 50 मैच खेल लें तब उनकी विराट कोहली जैसे खिलाड़ी से तुलना की जा सकती है। बल्लेबाजी क्रम में तीसरे नंबर पर उतरने वाले मालन ने अब तक 16 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 48.71 की औसत से 682 रन बनाए हैं। इसमें एक नाबाद शतक भी शामिल है। मलान ने कहा कि मैं जिस तरह का खिलाड़ी हूं, मुझे यह जानना पसंद है कि टीम में मेरी स्थिति क्या है इसलिए मैंने कहा था कि जब आप श्रृंखला में खेलते हो, तो आपको पता होता है कि आपको क्या करना है। भले ही आंकड़े कुछ कहते हों, लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं विराट कोहली या अन्य खिलाड़ियों के करीब भी हूं।

चाहर ने कोरोना को हराया

नई दिल्ली , एजेंसी। आईपीएल के ओपनिंग मैच से 10 दिन पहले चेन्नई सुपरकिंग्स के गेंदबाज दीपक चाहर कोरोनावायरस से पूरी तरह ठीक हो गए। बुधवार को उनकी दूसरी कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई। इसके बाद वे टीम होटल में लौट आए हैं। लेकिन उन्होंने अभी ट्रेनिंग नहीं शुरू की है। वहीं, टीम के दूसरे संक्रमित खिलाड़ी रितुराज गायकवाड़ अभी भी क्वारैंटाइन में हैं। सीएसके के सीईओ केएस विश्वनाथन ने कहा कि दीपक चाहर के दो कोरोना टेस्ट नेगेटिव आए हैं और वह टीम के बायो सिक्योर बबल में लौट आए हैं। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई के कोरोना प्रोटोकॉल के तहत अब उनका कार्डियो टेस्ट होगा, जो उनकी रिकवरी के बारे में बताएगा। उसके बाद उनका एक और कोरोना टेस्ट होगा, जिसकी रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद वे ट्रेनिंग शुरू कर सकेंगे। वहीं, गायकवाड़ का क्वारैंटाइन पीरियड 12 सितंबर को पूरा होगा।

रैना और हरभजन के रिप्लेसमेंट की घोषणा नहीं की

सीएसके आईपीएल के ओपनिंग मैच में 19 सितंबर को मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी। ऐसे में टीम के अहम गेंदबाज का ठीक होना टीम के लिए राहत भरी खबर है। हालांकि, टीम ने अब तक सुरेश रैना और हरभजन सिंह के रिप्लेसमेंट की घोषणा नहीं की है। इन दोनों खिलाड़ियों ने पारिवारिक वजहों का हवाला देकर इस सीजन में नहीं खेलने का फैसला किया है।

सीएसके के 13 मेंबर्स संक्रमित पाए गए थे

बीते महीने चेन्नई सुपरकिंग्स के 2 खिलाड़ियों समेत सपोर्ट स्टाफ के 13 मेंबर्स की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। इसके बाद सभी को 14 दिन के लिए क्वारैंटाइन किया गया था। क्वारैंटाइन पीरियड पूरा करने के बाद सभी के 2 कोरोना टेस्ट किए गए और रिपोर्ट निगेटिव आने के ज्यादातर लोग टीम के साथ जुड़ गए हैं। इस बीच, टीम के बाकी खिलाड़ियों ने कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई में ट्रेनिंग शुरू कर दी है।

चाहर का आईपीएल रिकॉर्ड

चाहर ने आईपीएल में 34 मैच में 33 विकेट लिए हैं। उन्होंने पिछले सीजन में 17 मैच में 22 विकेट लिए थे। यह किसी एक सीजन में उनका सबसे बेहतर प्रदर्शन था।

चेन्नई टीम का शेड्यूल

तीन बार की चैम्पियन टीम चेन्नई 19 सितंबर को आईपीएल के ओपनिंग मैच में मुंबई इंडियंस का सामना करेगी। मुकाबला अबु धाबी में होगा। सीएसके अपने 14 में से 7 लीग मुकाबले दुबई में खेलेगी। टीम ने इसी शहर को अपना बेस बनाएगा। सीएसके अपने सभी 10 सीजन में प्लेऑफ में पहुंची है और 8 बार लीग का फाइनल भी खेला है। पिछले सीजन में टीम रनरअप रही थी। तब उसे फाइनल में मुंबई इंडियंस ने एक रन से हराया था।

सीनियर प्लेयर्स के बिना घरेलू क्रिकेट पर असर

नई दिल्ली , एजेंसी।

पाकिस्तान की सीनियर और ए टीम नवंबर के अंतिम हफ्ते में न्यूजीलैंड दौरे पर जा सकती है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने दोनों टीमों के दौरे की तैयारी कर रहा है। इसके साथ ही पीसीबी के अधिकारियों की टेंशन भी बढ़ गई है कि सीनियर खिलाड़ियों की गैर मौजूदगी में घरेलू क्रिकेट के रोमांच कम हो जाएगा।

पीसीबी के सूत्र ने एजेंसी को बताया कि पीसीबी नवंबर के अंतिम हफ्ते में सीनियर और ए टीम दोनों के लिए 40 से 45 खिलाड़ियों को भेजने की योजना तैयार कर रहा है। न्यूजीलैंड में कोरोना के सख्त नियम और प्रोटोकॉल को देखते हुए यह फैसला किया गया है। वहां पर खिलाड़ियों को 14 दिन क्वारैंटाइन रहना होगा। इसके लिए टीम को पहले जाना होगा। ताकि क्वारैंटाइन पीरियड पूरा करने के बाद खिलाड़ियों को ट्रेनिंग के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

घरेलू सत्र इसी महीन से

पाकिस्तान ने घरेलू सीजन के कार्यक्रम भी जारी कर दिए हैं। पाकिस्तान की घरेलू प्रतियोगिता कायदे-आजम ट्रॉफी के मैच 18 अक्टूबर से अगले साल 5 जनवरी तक कराची में खेले जाने हैं। घरेलू सत्र हालांकि नेशनल टी-20 कप से शुरू होगा, जिसे 30 सितंबर से 18 अक्टूबर तक मुल्तान और रावलपिंडी में खेला जाएगा। ऐसे में अधिकारियों की चिंता है कि न्यूजीलैंड दौरे के कारण घरेलू टूर्नामेंट का रोमांच खत्म हो जाएगा।

सीनियर टीम टी-20, टेस्ट और वनडे सीरीज खेलेगी

पाकिस्तान की सीनियर टीम न्यूजीलैंड दौरे पर टी-20 सीरीज के साथ टेस्ट और वन-डे सीरीज में हिस्सा लेगी। जबकि पाकिस्तान की ए टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 दिवसीय मैचों की श्रृंखला खेलनी है।

पाकिस्तान कोरोना के बीच कर चुकी है इंग्लैंड दौरा

पाकिस्तान क्रिकेट टीम कोरोना के बीच इंग्लैंड दौरे पर जा चुकी है। पाकिस्तान ने अगस्त में हुए दौरे के लिए एक महीने पहले ही इंग्लैंड पहुंच गई थी। टीम को 14 दिन क्वारैंटाइन रहना पड़ा था। इंग्लैंड दौरे पर पाकिस्तान ने तीन टेस्ट और तीन वनडे सीरीज खेली थी। भविष्य को लेकर चिंतित थे सरफराज पाकिस्तान के मुख्य कोच मिस्बाह-उल-हक ने जियो टीवी को दिए इंटरव्यू में कहा कि इंग्लैंड दौरे पर पूर्व कप्तान सरफराज अहमद टी-20 के अंतिम मैच खेलने के लिए तैयार नहीं थे। उन्होंने कहा कि वे पूरे दौरे में मैं खिलाए जाने के कारण अपने भविष्य को लेकर चिंतित थे।

चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाड़ी सुरेश रैना की ट्रेनिंग, कहीं वापसी की तैयारी तो नहीं

श्रीनिवासन ने हालांकि साफ कर दिया कि टीम मैनेजमेंट और कप्तान महेंद्र सिंह धोनी सीएसके में रैना की वापसी को लेकर फैसला लेंगे। रैना ने खुद कहा था कि वह स्वदेश लौटकर ट्रेनिंग कर रहे हैं।

दिल्ली | एजेंसी।

चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाड़ी सुरेश रैना दुबई से स्वदेश लौट आए हैं, लेकिन घर पर वह जमकर ट्रेनिंग कर रहे हैं। सोशल मीडिया के जरिए रैना अपने ट्रेनिंग का वीडियो शेयर कर रहे हैं, जिस पर फैंस भी यही अपील कर रहे हैं कि रैना जल्द सीएसके टीम में लौट आएं। रैना के स्वदेश लौटने के बाद काफी विवाद हुए, पहले टीम के मालिक एन श्रीनिवासन रैना पर थोड़ा भड़के, बाद में उन्होंने और रैना ने दोनों ने इस मामले पर सफाई भी दी। श्रीनिवासन ने हालांकि साफ कर दिया कि टीम मैनेजमेंट और कप्तान महेंद्र सिंह धोनी सीएसके में रैना की वापसी को लेकर फैसला लेंगे। रैना ने खुद कहा था कि वह स्वदेश लौटकर ट्रेनिंग कर रहे हैं और अगर परिस्थितियां बेहतर होती हैं, तो क्या पता मैं वापस दुबई लौट जाऊं। अगर रैना दुबई लौटते भी हैं, तो पहले उन्हें क्वारंटाइन पीरियड पूरा करना होगा और उससे भी पहले देखना होगा कि क्या सीएसके उन्हें वापस बुलाता है या नहीं।

पंत खुद की तुलना धोनी से करने लगे थे इसलिए उनके खेल में गिरावट आई

नई दिल्ली | एजेंसी।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व चीफ सिलेक्टर एमएसके प्रसाद का मानना है कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत खुद की तुलना महेंद्र सिंह धोनी से करने लगे थे। इसी वजह से शानदार शुरुआत के बावजूद उनके खेल में गिरावट आने लगी। प्रसाद ने स्पोर्ट्स वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में यह बात कही। उन्होंने कहा कि हर बार जब पंत मैदान पर कदम रखता है, तो उसकी तुलना धोनी से की जाती है और शायद वह भी उस उत्साह में फंस रहा है। कई बार, हमने उससे बात की कि उसे इस पर काबू पाना होगा। मैंने अपने कार्यकाल में उसे समझाया था कि वह धोनी से खुद की तुलना न करें। अपने खेल पर फोकस करें। प्रसाद ने कहा कि पंत को धोनी की परछाई से बाहर निकलने की जरूरत है।

धोनी के रिटायरमेंट के बाद पंत को खेल सुधारने का मौका मिलेगा

धोनी इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं। पिछले कुछ सालों से पंत को उनके उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है, हालांकि पिछले कुछ महीने से पंत की खराब फॉर्म ने टीम मैनेजमेंट को काफी निराश किया है। टी-20 में केएल राहुल ने बैटिंग के साथ विकेट के पीछे भी बेहतर प्रदर्शन किया है। प्रसाद का मानना है कि धोनी के रिटायरमेंट से पंत को अपना खेल सुधारने का मौका मिलेगा

पंत ने 13 टेस्ट में 38.76 की औसत से 814 रन बनाए

पंत ने साल 2018 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया था। अब तक उन्होंने 13 टेस्ट में 38.76 की औसत से 814 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने दो शतक लगाए। उन्होंने अपना अंतिम टेस्ट इसी साल फरवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था।

वहीं, उन्होंने अक्टूबर 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में डेब्यू किया था। पंत अब तक 16 वनडे में 26.71 की औसत से 371 रन बना चुके हैं। उन्होंने अपना अंतिम वनडे इसी साल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। पंत ने तीन साल पहले इंग्लैंड के खिलाफ पहला टी-20 खेला था। वे अब तक भारत के लिए 27 मैच खेल चुके हैं। उन्होंने 20.5 की औसत से 410 रन बनाए हैं। उन्होंने इसी साल जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ अपना अंतिम टी-20 मैच खेला था।

उम्मीद है, एक दिन रानी रामपाल जैसी बनूंगी- लालरेमसियामी

बेंगलुरु , एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी फॉरवर्ड लालरेमसियामी ने कहा है कि 2017 का एशिया कप उनके करियर का टर्निंग पॉइंट था। 20 साल की लालरेमसियामी भारत के लिए अब तक 64 मैच खेल चुकी हैं। वह एफआईएच महिला सीरीज फाइनल्स और पिछले साल एफआईएच की ओलिंपिक क्वॉलिफायर में भारतीय टीम की जीत का हिस्सा रह चुकी हैं। लालरेमसियामी ने कहा, एशिया कप 2017 मेरे लिए पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में से एक थी और इसलिए टूर्नामेंट में प्रदर्शन करना मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। प्रतियोगिता में अच्छा खेलने के बाद मेरे खेल में मेरा आत्मविश्वास और बढ़ा। हमने उस टूर्नामेंट को भी जीतने के बाद 2018 विश्व कप के लिए क्वॉलिफाइ किया, इसलिए एशिया कप 2017 मेरे लिए हमेशा खास रहेगा। कप्तान रानी रामपाल का

लालरेमसियामी पर बहुत बड़ा प्रभाव रहा है। जब वह 2017 में पहली बार भारतीय टीम में शामिल हुई थी, तो उन्हें नहीं पता था कि उन्हें हिंदी में कैसे बोलना है। रानी, जो लालरेमसियामी की रूममेट थी, उन्होंने उन्हें हिंदी सिखाई। रानी साथ ही मिजोरम की लालरेमसियामी को उनके खेल में मदद करने के लिए हमेशा वहां थीं। लालरेमसियामी ने कहा, मैं भारतीय टीम में शामिल होने से पहले रानी दीदी और अन्य सीनियर खिलाड़ियों को टीवी पर देखती थी। इसलिए, रानी जैसे खिलाड़ी के साथ खेलना शानदार है। वह मेरी पसंदीदा खिलाड़ी हैं और मुझे उम्मीद कि एक दिन मैं उनके जैसा खिलाड़ी बनूंगी। वह हमेशा मेरे साथ रही हैं।

एक नजर........

करीना कपूर से लेकर सोनम तक कई बॉलीवुड हस्तियां रिया के सपोर्ट में उतरीं

सुशांत सिंह राजपूत केस में अब नया मोड़ आ गया है। शौविक और हाउस मैनेजर सैम्युअल मिरांडा को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने पहले ही हिरासत में ले लिया था। जिसके बाद सुशांत की मौत से जुड़े ड्रग के एक मामले में मंगलवार को रिया चक्रवर्ती को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। एक्ट्रेस पर सुशांत के परिवार ने आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है वहीं मीडिया भी उन पर लगातार तीखे सवाल उठा रहा है।सुशांत केस में रिया चक्रवर्ती को एनसीबी की गिरफ्तारी के बाद बॉलीवुड जगत से कई लोग उनके सपोर्ट में आए हैं। रिया को पिछ्ले कुछ समय से जमकर ट्रोल किया जा रहा है। इतना ही नहीं मीडिया की बदसलूकी से रिया को काफी ज्यादा परेशानी भी झेलनी पड़ी है।रिया के साथ इतना सब कुछ हो जानें के बाद सोनम कपूर,करीना कपूर,विद्या बालन और अनुराग कश्यप समेत तमाम स्टार्स रिया के सपोर्ट में उतरें हैं। साथ ही रिया की टीशर्ट पर लिखा हुआ कोट सभी साझा कर रहे हैं। इसमें लिखा है गुलाब लाल होते हैं,वॉयलेट्स नीले होते हैं,आओ हम और तुम मिलकर पितृसत्ता को ध्वस्त करें।

बता दें,रिया चक्रवर्ती के वकील सतीश मानशिंदे ने दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को नशे का आदी बताया है। उन्होंने कहा तीन केंद्रीय एजेंसियां हाथ धोकर एक महिला के पीछे पड़ी हैं। इसके अलावा रिया के वकील आज फिर से उनकी जमानत की अर्जी दाखिल करेंगे। अगर कोर्ट ने इस जमानत अर्जी को खारिज कर दिया तो रिया को 14 दिनों तक जेल में ही रहना पड़ेगा।

श्वेता सिंह ने किया कंगना रनौत का सपोर्ट बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत

श्वेता सिंह के घर और ऑफिस में बीते दिन बीएमसी ने तोड़-फोड़ की, जिसे लेकर कई बॉलीवुड सितारों ने भी नाराजगी जताई. इस बात को लेकर यहां तक कि कंगना रनौत ने भी वीडियो शेयर किया, साथ ही कहा कि जिस तरह मेरा घर टूटा है, उसी तरह उद्धव ठाकरे का घमंड भी टूटेगा. वहीं, हाल ही में बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति भी कंगना रनौत के समर्थन में आ गई हैं. इतना ही नहीं, उन्होंने महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन और एक बार फिर राम राज स्थापित करने की बात की है. श्वेता सिंह कीर्ति के इस पोस्ट पर फैंस भी खूब कमेंट कर रहे हैं. श्वेता सिंह कीर्ति ने अपनी पोस्ट में कंगना रनौत का समर्थन करते हुए लिखा, हे भगवान! यह कैसा गुंडा राज है. इस तरह का अन्याय बिल्कुल भी नहीं सहना चाहिए. क्या राष्ट्रपति शाससन इस अन्याय का जवाब हो सकता है? चलो दोबारा राम राज स्थापित करते हैं. इसके अलावा श्वेता सिंह कीर्ति ने एक और ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने बॉलीवुड सितारों पर निशाना साधा. उन्होंने लिखा, हम अपने ग्रे सेल्स का इस्तेमाल करके यह पता लगा सकते हैं कि जैसे ही ड्रग एंगल सामने आया, इतने समर्थन कहां से आ गए. यह जान लीजिए कि हम मूर्ख नहीं हैं, पूरी सच्चाई के बाहर आने का इंतजार कर रहे हैं और तब हम देखेंगे कि यह समर्थक कहां हैं. बता दें कि सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं. वह सुशांत से जुड़ी चीजें अकसर साझा भी करती हैं. वहीं, कंगना रनौत की बात करें तो 33 वर्षीय एक्ट्रेस ने कहा था कि शिवसेना के साथ हुई बयानबाजी के कारण महाराष्ट्र सरकार उन्हें टार्गेट कर रही है. कंगना रनौत ने अपने मुंबई सफर को लेकर ट्वीट भी किया था, जिसमें उन्होंने लिखा, जैसे कि मैं मुंबई दर्शन के लिए तैयार हूं. महाराष्ट्र सरकार और उनके गुंडे मेरी प्रॉपर्टी पर हैं और उसे अवैध तरीके से गिराने की कोशिश कर रहे हैं. कर लो! इन सबसे कुछ नहीं होने वाला, बल्कि मेरा हौसला और मजबूत होगा.

कपिल शर्मा के साथ दोबारा काम

सुशांत की मैनेजर संग अनुराग कश्यप करना चाहते थे उनके साथ काम

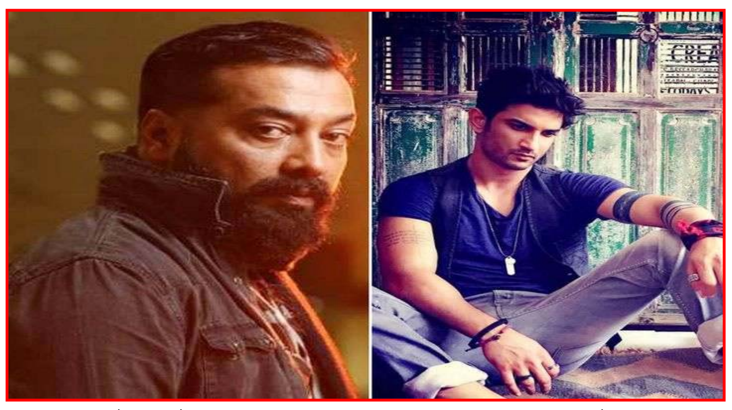

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में लगातार चौंकाने वाले खुलासे आए दिन हो रहे हैं। जब से ड्रग्स का एंगल सुशांत केस में सामने आया है तब से एक नया मोड़ इस मामले में आ चुका है। हालांकि एनसीबी ने बीते मंगलवार को दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की गर्लफ्रेंड और एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को ड्रग के लेन-देन और उसके सेवन करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। उसके बाद रिया को कोर्ट ने 14 दिन की जेल भेज दिया है। इसी बीच बॉलीवुड डायरेक्टर अनुराग कश्यप ने सुशांत की मैनेजर के साथ वाट्सऐप चौट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की हैं। इन चौट्स से खुलासा हुआ है कि अनुराग कश्यप सुशांत के साथ काम करना चाहते थे। बता दें कि सुशांत की मैनेजर के साथ काफी लंबे वक्त तक अनुराग कश्यप टच में थे। इतना ही नहीं अनुराग की बात एक्टर की मौत वाले दिन 14 जून और उससे पहले भी हुई थी। सोशल मीडिया पर अनुराग ने मैनेजर के साथ हुई बातचीत की चौट को पोस्ट किया है। अनुराग ने चौट को पोस्ट करते हुए लिखा कि, मैं माफी चाहूंगा कि मैं ऐसा कर रहा हूं, लेकिन सुशांत के मरने के तीन महीने पहले की ये चौट है। ये सुशांत के मैनेजर संग चौट है, 22 मई की। ये सच है मैं सुशांत के साथ काम नहीं करना चाहता था, लेकिन मेरे अपने कारण थे। वायरल चौट में दिखाई दे रहा है कि अनुराग से सुशांत की मैनेजर पूछ रही हैं कि कोई बेहतरीन फिल्म अगर एक्टर के लिए हो तो बताना। उन्होंने लिखा है कि, मुझे पता है कि आप ये सब पसंद नहीं करते हैं। लेकिन फिर भी मैं चाहूंगी कि आप सुशांत को अपने दिमाग में रखे, अगर उसके लायक कुछ हो। मैं आप दोनों को साथ में कुछ बेहतरीन करता देखता चाहूंगी। अनुराग ने इसका जवाब देते हुए कहा, उनके साथ काम करने में बहुत परेशानी है। मैं तो उन्हें पहले से जानता हूं। जब उन्होंने फिल्मों में कदम नहीं रखा था और जब उन्होंने काय पो छे की थी। जब सुशांत की मौत हुई थी उस दिन की चौट भी अनुराग कश्यप ने इसके साथ पोस्ट की है। इस चौट में देखा जा सकता है कि अनुराग खुद को एक तरफदोषी मानते दिख रहे हैं जबकि उन्हें समझाने की कोशिश सुशांत की मैनेजर कर रही हैं। अनुराग ने लिखा, मैं इसलिए दूर हो गया था क्योंकि मुकेश ने कहा था कि सुशांत मेरी फिल्म करना चाहते हैं। फिर मैंने वह प्रोजेक्ट छोड़ दिया। इसपर दिवंगत एक्टर की मैनेजर ने जवाब दिया कि, सुशांत के मन में अनुराग के लिए बहुत सम्मान था। इसके बाद अनुराग ने लिखा, हम तो हमेशा से सच्चे थे। इसलिए मैं परेशान था। मुझे पता है कि शायद मुकेश संग कुछ कनेक्ष्शन हो। मैं तो इसलिए दोनों से दूर रहा था। अब मुझे लगता है कि काश मैंने एक बार बात कर ली होती। काश मैं अपने मन में कुछ ना रखता। बहुत बुरा लग रहा है।उसके बाद सुशांत की मैनेजर अनुराग के इस मैसेज पर कहती हैं कि खुद के खिलाफ डायरेक्टर को कठोर नहीं होना चाहिए। दरअसल डायरेक्टर की यह सच्चाई सुशांत को बहुत पसंद थी। अनुराग की यह चौट सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। सुशांत के साथ उस समय फिल्म नहीं करना चाहते थे इस बात के बारे में डायरेक्टर ने खुद बताया है। हालांकि उन्हें सुशांत की मौत का बहुत दुख है यह भी बताया है।

इसी तरफही उनकी यह चौट इशारा कर रही है। बता दें कि अनुराग कश्यप को भी सुशांत

शिबानी दांडेकर ने अंकिता की करी बोलती बंद,कहा-नहीं सुलझा पाई कभी सुशांत के साथ खुद के रिश्ते...

स्वर्गीय अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को लेकर उनकी एक्स गर्लफ्रेंड अंकिता लोखंडे ने बीती रात एक लंबा चौड़ा पोस्ट अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है,जिसमें उन्होंने रिया चक्रवर्ती पर तो निशाना साधा ही साथ ही कहा मैंने कभी नहीं कहा है कि यह हत्या है या किसी एक को इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया है। अब अंकिता लोखंडे की इस पोस्ट को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री शिबानी दांडेकर ने उन्हें करारा जब दिया है। दरअसल,शिबानी दांडेकर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अंकिता लोखंडे को टैग करते हुए अब इस केस पर लिखे एक लंबे से नोट के खिलाफ लिखा है। बता दें,शिबानी दांडेकर ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर अंकिता को निशाना बनाकर लिखा,पितृसत्ता की इस राजकुमारी ने साफ रूप से सुशांत सिंह के साथ अपने खुद के रिलेशनशिप के मुद्दों को कभी नहीं सुलझाया। क्योंकि यह तो साफ है वो मशहूर होना चाहती हैं और इसे उन्होंने रिया को अपना निशाना बनाने में काफी अहम भूमिका निभाकर बहुत कुछ हासिल भी कर लिया है। इस पितृसत्ता को समझने के बदले अंकिता जैसी महिला भीड़ का हिस्सा बन गई और उन्होंने अपना एजेंडा आगे बढ़ाने के लिए सदियों की मेहनत पर पानी फेर दिया। अंकिता आपको यह बात अब तो मान ही लेनी चाहिए कि सुशांत रिया से प्यार करते थे। वैसे शिबानी दांडेकर सिर्फ यही कहकर नहीं रुकीं उन्होंने आगे लिखा आपसे नफरत करने वालों को पत्र लिखने से पहले इस बात को जरूर समझ लें कि किसी के दिल में इतनी नफरत नहीं भरी है जितनी की आपके अंदर। बता दें,शिबानी और रिया 12 साल से दोस्त हैं और जहां उन्होंने हाल ही में पूरे मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। शिबानी इससे पहले रिया के स्पोर्ट में आ चुकी हैं,उन्होंने कहा था कि मैं रिया चक्रवर्ती को तब से जानती हूं, जब वह 16 साल की थी। जीवंत, मजबूत और एक चमकते हुए स्पार्क की जैसी, जो पूरी तरह जिंदगी से भरी हुई थीं। बात अगर सुशांत सिहं राजपूत केस में मुख्य आरोपी रिया चक्रवर्ती की करी जाए तो फिलहाल अभिनेत्री को 14 दिन तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। रिया अभी भायखला जेल में हैं। बता दें कि गुरुवार यानि आज उनकी अर्जी पर सुनवाई होनी है।

बॉयफ्रेंड सुशांत की जिद पर ड्रग लेने वाली बात पर श्वेता का पलटवार

दिवंगत एक्टर की बहन श्वेता ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा,मरे हुए लोग बोल नहीं सकते तो मरे हुए लोगों पर इल्जाम लगा दो।

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत केस में ड्रग एंगल सामने आने के बाद अब केस में पूरी तरह बदलाव आ गया है। पहले नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एपसीबी) ने रिया के भाई शौविक चक्रवर्ती और सुशांत के हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा को हिरासत में लिया। जिसके बाद मुख्य आरोपी रिया चक्रवर्ती को एनसीबी ने मंगलवार शाम को गिरफ्तार कर लिया। रिया की गिरफ्तारी नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट यानि एनडीपीएस एक्ट के तहत हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक एनसीबी से हुई पूछताछ में रिया चक्रवर्ती ने बताया कि सिर्फ और सिर्फ सुशांत के कहने पर उन्होंने ड्रग्स का सेवन किया। लेकिन अब सुशांत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति ने रिया चक्रवर्ती के इस बयान पर रिएक्ट किया है। दिवंगत एक्टर की बहन श्वेता ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा,मरे हुए लोग बोल नहीं सकते तो मरे हुए लोगों पर इल्जाम लगा दो। शर्मनाक। इसके अलावा श्वेता ने अपने एक अन्य ट्वीट में लिखा हम अपने दिमाग का इस्तेमाल करके बेहद आसानी से मालूम किया जा सकता है कि ड्रग एंगल सामने आने के बाद आखिर इतने लोग सपोर्ट में क्यों उतरें। टेंशन मत कीजिए हम इतने पागल नहीं,बस सारा सच बाहर आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं,फिर देखते हैं कि ये सभी सपोर्टर्स कहां हैं। बता दें कि रिया के न्यायिक हिरासत में जानें की खबर के बाद श्वेता सिंह कीर्ति ने फौरान ट्वीट किया और लिखा चिंता न करें,धैर्य रखें। पूरा का पूरा सच सामने आएगा। पेड पीएआर पर ध्यान नहीं दें। क्योंकि एनसीबी,सीबीआई और ईडी तीनों एजेंसियां अपना बेहतर काम कर रही हैं और उनपर भरोसा रखें और मेरे ऊपर यकीन करें। भगवान हमारे साथ हैं।बता दें कि कल एनसीबी के सामने अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती ने 25 बॉलीवुड सेलेब्स के नाम लिए हैं। वैसे एनसीबी को रिया ने कोर्ट में भी पेश किया,जिसके बाद उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। मंगलवार की रात को रिया को एनसीबी ऑफिस के लॉकअप में रखा गया,लेकिन आज यानि बुधवार को रिया को सुबह ही जेल भेजा जाएगा।

अनंग्शा बिस्वास ने साझा किया रोनित रॉय के साथ काम करने का अनुभव

अनंग्शा की बहु-प्रतीक्षित वेब सीरीज होस्टेज 2 9 सितंबर को रिलीज हो चुकी है, जिसमें उनके अभिनय को सभी साथी कलाकारों और दर्शकों द्वारा काफी प्रशंसा मिल रही है. स्क्रीन पर उनके सराहनीय परफॉरमेंस को देखने के बाद, अनंग्शा का सोशल मीडिया प्यार और समर्थन से भर गया है. अनंग्शा उनकी शॉर्ट फिल्म प्रतिभा- ए रिफ्लेक्शन और मिर्जापुर 1 से अपनी बोल्ड और निडर कलाकारी के लिए जानी जाती है. अनंग्शा बिस्वास ने होस्टेज 2 के सेट पर काम करने के अपने अनुभव को शेयर करते हुए कहा, रोनित रॉय के पास ज्ञान का भण्डार है. उन्हें ऐसे कई सारे विषयों के बारे में इतना कुछ पता है, उनके साथ बातचीत करना समृद्ध है. होस्टेज 2 मेरे लिए एक सीखने का अनुभव रहा. सचिन कृष्णन हमारे निर्देशक एक सुंदर टास्कमास्टर हैं, जो बिना किसी ताम-झाम के शो में एक अभिनेता की सारी जरूरतों को पूरा करते हैं. मैं उनके साथ दोबारा काम करने का इंतजार कर रही हू. अनंग्शा एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री है. उन्होंने सिर्फ छोटे पर्दे के साथ अपनी प्रतिभा को सीमित नहीं रखा. बल्कि वे खोया खोया चांद जैसी फिल्मों में भी नजर आईं, जिसमें उनके साथ सोहा अली खान, शाइनी आहूजा, और रजत कपूर थे. वे लव शव ते चिकन खुराना और बेनी बाबू, रांगटर्न जैसे रोमांटिक फिल्मों में भी दिखाई दे चुकी है.

वेब श्रृंखला होस्टेज 2 की भारी सफलता के बाद अभिनेत्री जल्द ही बहुप्रतीक्षित मिर्जापुर 2 में भी दिखाई देंगी.

'कहत हनुमान...' शो दर्शकों को रामायण युग में ले जाएगा - मनीष वाधवा

भारतीय टेलीविजन पर माइथोलॉजिकल जॉनर्स में कई तरह के किरदार निभाने वाले एक्टर मनीष वाधवा इस इंडस्ट्री में एक लंबा सफर तय कर चुके हैं। मूलतः हरियाणा के मनीष अब एंड टीवी के 'कहत हनुमान जय श्री राम' में रावण की अहम भूमिका निभाने जा रहे हैं। वह इस नई भूमिका को लेकर उत्साहित हैं। मनीष ने बताया कि इस जॉनर ने उन्हें किस तरह बेहतर बनाया और नई चीजें सिखाई हैं। मनीष वाधवा से हुई बातचीत के मुख्य अंश--

शो में अपने किरदार के बारे में बताएं?

मैं एंड टीवी के 'कहत हनुमान जय श्रीराम' में बलशाली रावण की भूमिका निभा रहा हूं। इसमें जो रावण आप देखेंगे, वह अब तक आपके द्वारा अब तक देखे गए रावणों से बहुत अलग होगा। उसे एक ऐसे किरदार के रूप में दिखाया जाता रहा है, जो एक निश्चित तरीके से व्यवहार करता है - वह जोर-जोर से बोलता और हंसता है और अपने आस-पास के लोगों को आतंकित करता है। बहरहाल, इस बार हम दर्शकों को एक बहुत ही सहज किस्म के रावण से मिलवाएंगे, जिसकी मौजूदगी ही उसके आसपास के लोगों को भयभीत कर देने के लिए काफी होगी। आप इसे एक तरह का प्रयोग कह सकते हैं, जहां ज्ञानी ब्राह्मण, मायावी, संगीतज्ञ, कलाकार और दानव जैसी रावण की दस अलग-अलग खूबियों को अलग-अलग लुक्स के जरिए जीवंत किया जाएगा। क्या आपने इस रोल के लिए कोई तैयारी की थी? मैंने अपने किरदार में उतरने के लिए रावण के बारे में बहुत कुछ पढ़ा। कुछ चीजें इंटरनेट पर आसानी से उपलब्ध थीं, वहीं किताबों और अन्य संदर्भ सामग्री ने मुझे उसके व्यक्तित्व को बेहतर ढंग से समझने में मदद की। मैं माइथोलॉजी शोज में इस्तेमाल होने वाली शुद्ध हिंदी से अच्छी तरह परिचित हूं, इसलिए मेरी संवाद अदायगी सहज और स्वाभाविक रही।

शूटिंग में अनुभव कैसा रहा है?

शूटिंग का पहला दिन बहुत बढ़िया था, और मैं रावण की अलग-अलग खूबियों के साथ प्रयोग करने के लिए उतना ही उत्साहित भी था। व्यक्तिगत मोर्चे पर, मैंने सुनिश्चित किया मेरे पास अपनी पानी की बोतल और केतली, टिफिन और इंडक्शन, फेस मास्क और सैनिटाइजर जैसी जरूरी चीजें रहें।

एपिसोड्स की कहानी के बारे में संक्षेप में बताएं।

यह शो दर्शकों को रामायण युग में ले जाएगा, जहां भगवान राम का जन्म होता है। यह सबसे खूबसूरत दृश्यों में से एक का गवाह बनेगा, जब राम के परम भक्त हनुमान अंततः अपने भगवान से मिलेंगे। राम के जन्म के साथ ही कहानी के इस ट्रैक में रावण की भी एंट्री होगी, जहां वह भगवान विष्णु के साथ अपनी तुलना करते हुए खुद को परम शक्ति कहता नजर आएगा। जब वह अपना यज्ञ पूरा करके लंका में प्रवेश करेगा, तो मंदिरों में देवताओं के चेहरे बदलकर उसकी तरह हो जाएंगे।

सुहाना खान की सेल्फी ने बटोरी सुर्खियां

बॉलीवुड के किंग यानी शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भले ही फिल्मों से दूर हों, लेकिन वह हमेशा सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं. सुहाना खान की फोटो हो वीडियो, सोशल मीडिया पर खूब वायरल होती हैं. सुहाना खान की सेल्फी को लेकर भी ऐसा ही हाल देखने को मिल रहा है. दरअसल, सुहाना खान की एक सेल्फी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है, जिसमें उनका जबरदस्त अंदाज नजर आ रहा है. इस सेल्फी में किंग खान की बेटी ने अपनी मेकअप स्किल दिखाई है. सेल्फी में सुहाना खान का अंदाज और उनका लुक जबरदस्त लग रहा है. सुहाना खान ने अपनी सेल्फी को इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा किया है, जिसने लोगों का खूब ध्यान खींचा है. फोटो में सुहाना न्यूड लिपग्लॉस, ग्लिट्री पिंक आईशेडो के साथ ड्यूवी मेकअप किए नजर आ रही हैं. इस फोटो में सुहाना का पोज भी देखने लायक है. फोटो के साथ-साथ किंग खान की बेटी ने हार्ट शेप इमोजी भी साझा किया. बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब सुहाना खान के लुक्स और उनके अंदाज ने इस कदर लोगों का ध्यान खींचा हो. इससे पहले भी सुहाना खान का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा था, जिसमें वह पत्थर पर बैठकर पोज देती नजर आ रही थीं. बता दें कि सुहाना खान अमेरिका में पढ़ाई कर रही थीं, लेकिन कोरोनावायरस की वजह से जारी लॉकडाउन के कारण वह अब मुंबई में अपने घर पर हैं और फैमिली के साथ समय गुजार रही हैं. सुहाना

खान स्टार किड्स की चर्चा में हमेशा आगे रहती हैं. अपने ग्लैमरस लुक्स और ड्रेसिंग सेंस को लेकर सुहाना खान काफी जानी जाती हैं. फिल्मों से दूर होने के बाद भी सुहाना खान हमेशा सुर्खियों में रहती हैं. शाहरुख खान के मुताबिक सुहाना खान अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद ही फिल्मी दुनिया में कदम रख सकती हैं.

जन्मदिन के खास मौके पर जमकर ट्रोल हो रहे अनुराग कश्यप ने ऐसा मजेदार जवाब देकर लिया बदलार

मशहूर फिल्ममेकर अनुराग कश्यप का सोशल मीडिया के साथ हमेशा से कुछ नोकझोंक वाला रिश्ता है। खास बात अनुराग जितना अपनी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं उससे कई ज्यादा वो अपने बेबाक बयानों के लिए यूजर्स के निशाने पर रहे हैं। 10 सितंबर यानि आज अनुराग कश्यप अपना 48 वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं।

इस बीच ट्विटर पर रुभ्ंचचलठपतजीकंलबींतेप।दनतंह खूब जोरो-शोरो से ट्रेंड कर रहा है। इतना ही नहीं लोग फिल्ममेकर को चरसी लिखकर विश हैप्पी बर्थडे की शुभकामनाएं दे रहे हैं और सबसे दिलचस्प बात अनुराग भी इन सबको मजेदार जवाब दे रहे हैं। वहीं अपने दूसरे ट्वीट में उन्होंने एक यूजर को जवाब देते हुए लिखा देते - शुक्रिया मेरी चर्सी गुडिया। बता दें ,यूजर्स ने ट्रोलर करते हुए अनुराग को लिखा था- हैप्पी बर्थडे पुड़िया किंग अनुराग कश्यप।हाल ही में अनुराग कश्यप ने स्वर्गीय एक्टर सुशांत को लेकर कुछ ट्वीट्स किए थे जो खूब चर्चा में हैं। साथ ही उन्होंने ट्वीट्स में कुछ स्क्रीनशॉट्स भी साझा किए,जिसमें जिक्र उन बतों का किया गया जिस वजह से अनुराग, सुशांत के साथ में काम नहीं करना चाहते थे। अनुराग कश्यप की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने गुलाल, देवडी और मुक्काबाज और ना जाने ऐसी ही कितनी एक से बढ़कर एक फिल्मे दी है। हालांकि अनुराग कश्यप की अबतक सबसे फेमस फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर है। वहीं गार्जिएन ने सदी के 100 बेहतरीन फिल्मों में इसको जगह दी है। अनुराग निर्देशन के अलावा वह फिल्म प्रोडक्शन की दुनिया में भी सक्रिय हैं। वैसे अनुराग ने सेक्रेड गेम्स जैसी फेमस वेब सीरीज बनाई है। फिलहाल वो नेटफ्लिक्स के लिए एके वर्सेस एके नाम की एक फिल्म तैयार कर रहे हैं।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक
स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- कंचन सोलंकी
TITLE CODE- UPHIN48974
Mob:
8896925119, 9695670357
Email:
kanchansolanki397@gmail.com
नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।